मंगलवार, 18 फरवरी 2025

मौसम

तापमान	32 – 22
आर्द्रता	71%
सूर्योदय: 6:07	सूर्यास्त: 17:35

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
कोलकाता, फाल्गुन कृष्णपक्ष षष्ठी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : अकड़ तो सबमें होती है, झुकता वही है जिसे रिश्तों की फिक्र होती है।

मुनाफा काटने के लिए विदेशी निवेशक बेच रहे हैं भारतीय शेयर : सीतारमण -पृष्ठ 8

बंगाल विधानसभा में हंगामा, शुभेंदु समेत चार भाजपा विधायक बजट सत्र से निलंबित

- शुभेंदु का आरोप- हिंदुओं के हक में आवाज उठाई तो अवेंध रूप से निलंबित किया गया
- सरस्वती पूजा में बाधा दिए जाने को लेकर चर्चा की मांग पर भाजपा के स्थगन प्रस्ताव को स्पीकर ने किया खारिज

कोलकाता : बंगाल विधानसभा में सोमवार को विपक्षी भाजपा के विधायकों ने जमकर हंगामा किया, जिसके बाद अध्यक्ष ने सदन में कथित तौर पर अशोभनीय आचरण करने के आरोप में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी समेत चार विधायकों को 30 दिनों (पूरे बजट सत्र) के लिए निलंबित कर दिया। शुभेंदु के अलावा निलंबित किए गए अन्य विधायकों में अग्निमित्र पाल, बंकिम घोष और विश्वनाथ कारक शामिल हैं। कार्य स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराने से अध्यक्ष द्वारा इन्कार किए जाने के बाद भाजपा के विधायक सदन के बीचों-बीच आ गए थे और सदन की कार्यवाही से जुड़े कागजों को फाड़ कर फेंक दिया था जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। दरअसल, राज्य में कुछ जगहों पर सरस्वती पूजा के आयोजन में बाधा व धमकी दिए जाने से जुड़ी हालिया घटनाओं को लेकर भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल ने पहले हाफ में प्रश्नकाल के बाद सदन में चर्चा की मांग को लेकर कार्य स्थगन प्रस्ताव पेश किया था। विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी ने प्रस्ताव पढ़ने की अनुमति दी, लेकिन इस पर चर्चा कराने से इन्कार कर दिया। इस फैसले से नाराज होकर शुभेंदु के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सदन के बीचों बीच आ गए।

उनका आरोप था कि ममता सरकार चुनावी लाभ के लिए तुष्टीकरण कर रही है। सरस्वती पूजा के मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए इसी बीच भाजपा विधायकों ने कागज फाड़कर उछाल दिया। इसके बाद सभी भाजपा विधायक सदन से वाकआउट कर गए। विधानसभा परिसर के बाहर भी उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया।

स्पीकर ने भाजपा विधायकों के इस रवैये की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह व्यवहार अनुचित है। विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के मुख्य सचेतक निर्मल घोष ने सदन में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें दावा किया गया कि भाजपा विधायकों द्वारा किया गया विरोध-प्रदर्शन विधायी संस्कृति के खिलाफ है और उन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद अध्यक्ष ने शुभेंदु समेत चार भाजपा विधायकों को इस सत्र के अंत तक या 30 दिनों के लिए निलंबित करने की घोषणा की।

हिंदुओं के हक में आवाज उठाई तो निलंबित किया गया : शुभेंदु

स्पीकर के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मैं हिंदुओं के हक में आवाज उठा रहा था, इसलिए मुझे फिर अवैध रूप से निलंबित कर दिया गया है। मुझे इस पर गर्व है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल के अभिभाषण पर मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा में होने वाले संबोधन से पहले ही उन्हें और अन्य भाजपा विधायकों को जानबूझकर निलंबित किया गया, ताकि कोई विरोध न हो सके। शुभेंदु ने दावा किया कि 2021 विधानसभा चुनाव के बाद से मुझे अब तक चार बार अवैध तरीके से निलंबित किया गया है। भाजपा विधायकों ने फैसला किया है कि मंगलवार को मुख्यमंत्री जब विधानसभा में अपना वक्तव्य रखेंगी, वे लोग उनका बहिष्कार करेंगे। साथ ही विधानसभा के बाहर धरना भी देंगे। शुभेंदु ने यह भी घोषणा की कि मंगलवार को विधानसभा में जब मुख्यमंत्री का भाषण का लाइव स्ट्रीम किया जाएगा, तब वे विधानसभा के बाहर से फेसबुक लाइव करेंगे।

ममता बनर्जी की सरकार हिंदू विरोधी है : अग्निमित्रा पाल

आसनसोल दक्षिण से भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार हिंदू विरोधी है। बंगाल में हिंदुओं को दरकिनार किया जा रहा है। यहां कई जगहों पर सरस्वती पूजा करने नहीं दी जाती। हमें इसके लिए अदालत जाना पड़ता है। अदालत से अनुमति मिलने के बाद पुलिस के पहरे में सरस्वती पूजा होती है। हमारा प्रतिवाद आगे भी चलेगा।

भारत आए कतर के अमीर अल थानी, प्रधानमंत्री मोदी ने एयरपोर्ट पर पहुंचकर की अगवानी

- कतर के अमीर दो दिवसीय भारत दौंरे पर
- आज राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी परंपरा से हटकर, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे। अल-सानी सोमवार शाम दो दिवसीय यात्रा पर भारत आए हैं। कतर के अमीर मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने पूर्व में कहा था कि अल-सानी प्रधानमंत्री मोदी के आमंत्रण पर भारत दौरे पर आ रहे हैं। कतर के अमीर की भारत की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह मार्च 2015 में भारत आए थे। भारत और कतर के बीच मैत्री, विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर आधारित गहरे ऐतिहासिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच हाल के वर्षों में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंध लगातार मजबूत हुए हैं।

महाकुंभ : सोमवार को 1.35 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई

महाकुंभ नगर : महाकुंभ में आम दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और सोमवार को शाम आठ बजे तक 1.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को शाम आठ बजे तक 1.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया, जबकि 13 जनवरी से अभी तक कुल 54.31 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। इस बीच, सोमवार को आम श्रद्धालुओं के साथ ही कई केंद्रीय मंत्रियों और अन्य विशिष्ट लोगों ने भी संगम में डुबकी लगाई जिनमें केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉक्टर मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शामिल थे।

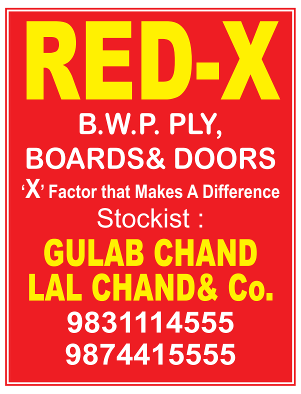

पूजा स्थल कानून से संबंधित कई नयी याचिकाओं से न्यायालय नाराज, लंबित याचिकाएं अप्रैल में सूचीबद्ध

नयी दिल्ली : पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम पर कई याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि तीन न्यायाधीशों की पीठ 1991 के कानून से संबंधित लंबित नोटिस के बाद की याचिकाओं पर अप्रैल में सुनवाई करेगी। पूजा स्थल से संबंधित अधिनियम में किसी धार्मिक स्थान के धार्मिक चरित्र को 15 अगस्त 1947 के अनुसार बनाए रखने का प्रावधान है। शीर्ष अदालत ने हालांकि समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और कैराना से सांसद इकरा चौधरी जैसे उन याचिकाकर्ताओं को नए कानूनी आधारों का हवाला देकर लंबित याचिकाओं में हस्तक्षेप के लिए आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता प्रदान की, जिन्होंने हाल में याचिकाएं दायर की हैं और इन पर नोटिस जारी नहीं किए गए हैं। जिन नयी याचिकाओं पर अब तक नोटिस जारी नहीं किए गए थे, उन्हें खारिज करते हुए प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा, ''रिट याचिकाकर्ता नए आधारों को उठाते हुए (हस्तक्षेप) आवेदन दायर कर सकते हैं।'' पीठ ने कहा, ''हम दायर की गई नयी याचिकाओं की संख्या को देखते हुए यह आदेश पारित करने के लिए बाध्य हैं। लंबित रिट याचिकाएं (अगर कोई हो तो), जिन पर कोई नोटिस नहीं है, अतिरिक्त आधारों को उठाते हुए आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता के साथ खारिज की जाती हैं। नए 'आईए' (अंतरिम आवेदन) को केवल तभी अनुमति दी जाएगी जब कोई नया बिंदु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में नहीं उठाया गया हो।''

मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किये गये ज्ञानेश कुमार

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सोमवार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है। कानून मंत्रालय ने यह जानकारी दी। कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक रहेगा, जिसके कुछ दिन बाद निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। हरियाणा कैडर के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी विवेक जोशी को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है। कुमार 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस वर्ष के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव और 2026 में केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की जिम्मेदारी संभालेंगे। कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद निर्णय को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 15 मार्च, 2024 को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। कुमार 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। भारत सरकार में उन्हें रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं अतिरिक्त सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय में सचिव और सहकारिता मंत्रालय में सचिव के रूप में काम करने का समृद्ध अनुभव है।

प्राथमिकियों के खिलाफ इलाहाबादिया की याचिका पर आज सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : यूट्यूब पर एक शो के दौरान कथित रूप से अभद्र टिप्पणियों को लेकर दर्ज प्राथमिकियों के खिलाफ रणवीर इलाहाबादिया की याचिका पर मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ इस मामले पर सुनवाई कर सकती है। शुक्रवार को इलाहाबादिया के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया था। जब चंद्रचूड़ ने कहा कि असम पुलिस ने इलाहाबादिया को दिन में जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है तो प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा, ''मैंने पीठ निर्धारित कर दी है और यह मामला दो-तीन दिनों में (पीठ के समक्ष) आएगा।'' हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पर माता-पिता और यौन संबंधों पर पॉडकास्टर इलाहाबादिया की टिप्पणी ने विवाद खड़ा कर दिया और देश के विभिन्न हिस्सों में उनके और अन्य के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज कराई गईं। इलाहाबादिया और रैना के अलावा, असम में दर्ज मामले में आशीष चंचलानी, जसप्रीत सिंह और अपूर्वा मखीजा के नाम भी हैं।

2023-24 में 4,340.47 करोड़ रुपये की आय के साथ भाजपा राष्ट्रीय दलों की सूची में शीर्ष पर: एडीआर

नयी दिल्ली : भाजपा ने वित्त वर्ष 2023-24 में सभी राष्ट्रीय दलों में सर्वाधिक 4,340.47 करोड़ रुपये की आय की घोषणा की। चुनाव से संबंधित विश्लेषण करने वाले निकाय एडीआर ने यह जानकारी दी। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में कहा गया कि समीक्षाधीन अवधि में यह राशि छह राष्ट्रीय दलों की कुल आय का 74.57 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया, ''भाजपा ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 4,340.473 करोड़ रुपये की आय घोषित की, लेकिन इसका केवल 50.96 प्रतिशत, यानी 2,211.69 करोड़ रुपये खर्च किए। कांग्रेस की कुल आय 1,225.12 करोड़ रुपये थी, जबकि वर्ष के लिए उसका व्यय 1,025.25 करोड़ रुपये या उसकी कुल आय का 83.69 प्रतिशत था।'' राष्ट्रीय दलों की आय का एक बड़ा हिस्सा चुनावी बॉण्ड के माध्यम से प्राप्त चंदा से आता है। भाजपा को सबसे अधिक 1,685.63 करोड़ रुपये, कांग्रेस को 828.36 करोड़ रुपये तथा आम आदमी पार्टी (आप) को 10.15 करोड़ रुपये का चंदा मिला।

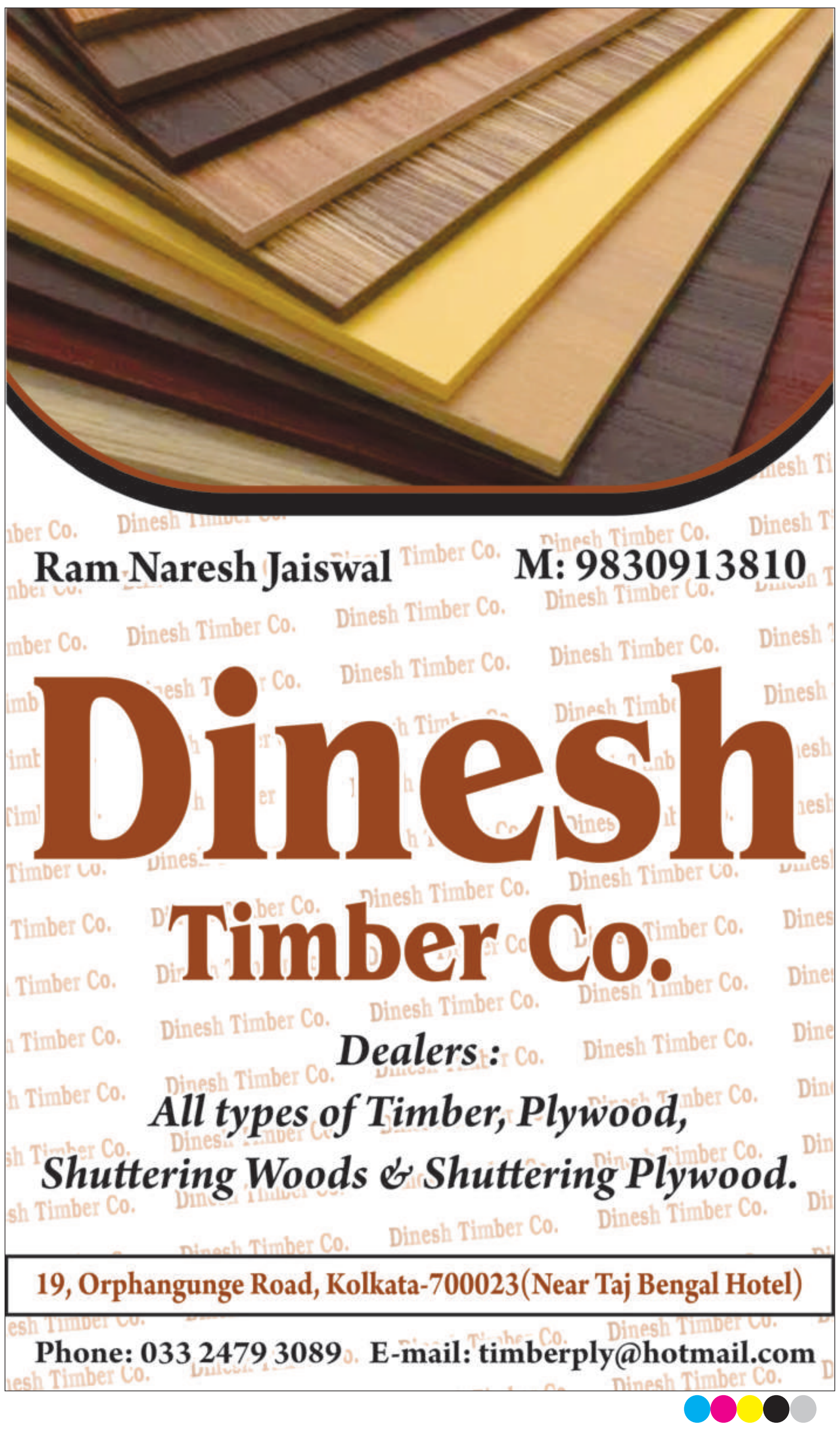

सोशल मीडिया की जवाबदेही तय हो

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज़ गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता-पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए।

दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर-गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल-जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की शृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

18 फरवरी जयन्ती पर विशेष

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी।

श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी।

1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं।

विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

हे दयानिधे! जरूरी नहीं, सभी आपके अनुरूप हो..

सुशील कुमार 'नवीन'

संस्कृत देवभाषा है। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। संस्कृत है तो संस्कार है, संस्कृति है। संस्कृत नहीं तो कुछ भी नहीं। प्रसिद्ध उक्ति भी है, भारतस्य प्रतिष्ठा द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा इति। साफ अर्थ है कि भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति इन्हीं दोनों में निहित है। संस्कृत-संस्कृति का मूल है। कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जिसमें संस्कृत की उपयोगिता न रही हो। चिकित्सा शास्त्र, अर्थशास्त्र, विमानशास्त्र में सिद्धस्था हासिल करनी है तो संस्कृत को न केवल पढ़ना होगा, अपितु उसे अपने अंदर आत्मसात करना होगा।

जब हम सब इतना जानते हैं श्र देवभाषा की महत्ता समझते तो फिर गाहे बगाहे मिर्ची क्यों लग जाती है। अभी तो रुको जरा! अभी तो क्लाइमेक्स बाकी है। हरियाणा में एक प्रसिद्ध उक्ति है जिसी नकटी देवी, उसे ऊत पुजारी। अर्थात् जो जैसा व्यवहार करे, उसे उसी रूप में जवाब देना जरूरी है। यदि घर में कोई चाय-कॉफी न पीता हो तो क्या हम इन्हें घर में रखना बंद कर दें। मुझे यदि बैंगन का भरता और अरबी की सब्जी पसन्द नहीं है तो क्या शेष घरवाले इन्हें खाना छोड़ दें। मुझे इत्र लगाना रुचिकर नहीं तो जमाना मेरे लिए इसे प्रयोग करना छोड़ दे। कोई पारले फेब बर्बन का दीवाना है तो मुझ जैसे को पांच रुपये वाले स्वाद भरे शक्ति भरे पारले जी से बेहतर दुनिया में कोई बिस्किट ही नहीं लगता। मुझे खीर चूरमा पसंद है, तो किसी को इडली सांभर। जरूरी नहीं मुझे जो अच्छा लगता हो वो किसी और को अच्छा लगे। लोहे को लोहार की चोट जरूरी है तो सोने को स्वर्णकार की थपकी वाला दुलार।

आप भी आज सोचते होंगे आज मास्टरजी का दिमाग कैसे चकराया हुआ है। क्या-कहा कहे जा रहे हैं ? तो सुने! डीएमके के एक सांसद है। नाम है दयानिधि मारन। दादा का नाम करुणानिधि, भाई का नाम कलानिधि। महोदय ने सदन कार्यवाही के अनुवाद में अन्य भाषाओं के साथ संस्कृत को शामिल करने को लेकर आपत्ति जताई है। उनका कहना था कि आप संसद में दिए गए भाषण को संस्कृत नें अनुवाद करके टैक्सपेयर्स के पैसों को क्यों बर्बाद कर रहे हैं। हालांकि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से उन्हें जवाब उसी समय मिल गया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की प्राथमिक भाषा रह चुकी है। यहां बात 22 भाषाओं की बात की है, सिर्फ संस्कृत की ही नहीं। आप मात्र संस्कृत पर ही आपत्ति क्यों जता रहे हैं। बात जब चर्चा में आई तो विरोध और मुखर हो गया है। संस्कृत को चाहने वाले खुलकर विरोध में उतर आए हैं।

तमिलनाडु में भाषाई राजनीति को लेकर मुखर रहने वाली डीएमके की तरफ से इस प्रकार का विरोध कोई पहला नहीं है। हिंदी के प्रयोग को लेकर लगातार आपत्तियां होती रही है। हिंदी ही नहीं सनातन धर्म पर भी उनकी जबान फिसलती रही है। अब देवभाषा संस्कृत विरोधी बयान से फिर चर्चा में आ गए हैं। संस्कृत भाषा देवभाषा है और देवभाषा का अपमान सम्पूर्ण भारत वासियों का अपमान है। कहा भी गया है- भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा अर्थात हमारे भारतवर्ष की आन, बान, व शान संस्कृत भाषा से है। भारत में जो भी ज्ञान है, संस्कार है, विविध संस्कृति है वह सारा का सारा ज्ञान संस्कृत भाषा में ही निहित है। चाहे वह वेद हों, पुराण हों, उपनिषद हों, धर्मशास्त्र हो, भाषा का विज्ञान व्याकरण शास्त्र हो, खगोल शास्त्र हो, ज्योतिष शास्त्र हो, वास्तुशास्त्र हो, योग हो, आयुर्वेद हो, नाट्यशास्त्र आदि हो सभी संस्कृत भाषा में ही हैं और इन सब की वैज्ञानिकता और ज्ञान से सारा विश्व परिचित ही है। श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांत तो सभी प्रयोग करते ही है। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी अर्थात माँ है और माँ का अपमान कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा है कि संसद के वर्तमान सत्र में डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने संस्कृत को लेकर जो मन गढ़न्त प्रश्न उठाए हैं, उसके खिलाफ सीएसयू केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिवार एक देश व्यापी आन्दोलन करेगा। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रह्मदेव विद्यालंकार ने कहा है कि संस्कृत से ही मूल भारत की पहचान है। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय ने कहा कि दुनिया को पता है कि संस्कृत सनातन की भाषा है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं को पुष्ट करती है। इसलिए इसकी गुणवत्ता किसी से अधिक है। अंत में दयानिधि का ज्ञान वर्धन भी कर दें। दयानिधि मारन ने कहा कि संस्कृत किसी भी राज्य की आधिकारिक भाषा नहीं है। बता दें संस्कृत उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की दूसरी आधिकारिक भाषाएं है. 2010 में उत्तराखंड ने तो 2019 में हिमाचल को अपनी दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया है। और सुन लें, आपका दयानिधि नाम ही संस्कृत का है। संस्कृत से इतनी ही दिक्कत है तो दयानिधि जी पहले अपना नाम ही बदल लें। आप को संस्कृत से दिक्कत है तो आप मत पढ़ें। जिसको पढ़ना होगा वो पढ़ लेगा।

'संस्कृते सकलं शास्त्रं,संस्कृते सकला कला ।
संस्कृते सकलं ज्ञानं, संस्कृते किन्न विद्यते ।।'

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद है।

अमेरिका-रूस वार्ता में शामिल नहीं होगा यूक्रेन और परिणामों को भी स्वीकार नहीं करेगा: जेलेंस्की

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि उनका देश युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से इस सप्ताह होने वाली अमेरिका-रूस वार्ता में शामिल नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि जब वार्ता में यूक्रेन शामिल नहीं होगा तो वह इसके परिणामों को भी स्वीकार नहीं करेगा।

संयुक्त अरब अमीरात से एक कॉन्फ्रेंस कॉल पर पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सरकार को सऊदी अरब में मंगलवार को होने वाली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ता में यूक्रेन के अधिकारियों के अनुपस्थित होने के कारण इससे 'कोई परिणाम नहीं निकलेगा।' राष्ट्रपति ने कहा कि वह सोमवार को तुर्किये और बुधवार को सऊदी अरब की यात्रा करेंगे लेकिन अरब राष्ट्र की उनकी यात्रा का वहां मंगलवार को होने वाली अमेरिका-रूस वार्ता से कोई संबंध नहीं है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 18 फरवरी, मंगलवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन कृष्णपक्ष षष्ठी, 31:33 तक, नक्षत्र : चित्रा, 07:29 तक, योग : गांदा, 09:47 तक, सूर्योदयः 6:07, सूर्यास्तः 17:35, चन्द्रोदय : 22:30, चन्द्रास्तः 09:11, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : कुम्भ, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 14:40 से 16:05

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए करियर के लिहाज से बहुत शुभ है। तरक्की के साथ-साथ धन लाभ के भी योग बन रहे हैं। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कुछ अचानक लाभ भी हो सकता है।

वृष : वृष राशि वालों के लिए दिन तरक्की और सफलता लेकर आएगा। किस्मत पूरी तरह आपका साथ देगी। अपने काम की प्रशंसा सुनकर आप बहुत खुश होंगे।

मिथुन : मिथुन राशि वालों को कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा और सम्मान में वृद्धि होगी। घर या ऑफिस में विवाद हो सकते हैं, इसलिए सावधानी बरतें और विवादों से दूर रहें।

कर्क : कर्क राशि वालों का दिन बहुत शुभ है। करियर में सफलता मिलेगी और हर मामले में सफलता प्राप्त होगी। सभी काम बनेंगे और पुराने झगड़े-विवाद दूर होंगे।

सिंह : सिंह राशि वालों का दिन तरक्की से भरा रहेगा। करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। सहयोगियों पर खोया हुआ विश्वास फिर से हासिल होगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

कन्या : कन्या राशि वालों का दिन असमंजस से भरा रहेगा। समझ नहीं आएगा कि क्या सही है और क्या गलत। इस वजह से काम लटके रहेंगे और उलझन महसूस होगी।

तुला : तुला राशि वालों को जोखिम भरा कोई काम नहीं करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में हर तरह के रिस्क से दूर रहें। सोच-समझकर आगे बढ़ें और किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार रहें।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों का दिन काफी अस्त-व्यस्त रहेगा। कई तरह के विवाद और झंझट सामने आ सकते हैं। शाम तक समय लगाकर इन विवादों को निपटा लें तो काम सफल हो जाएंगे।

धनु : धनु राशि वालों को करियर के मामले में लाभ होगा और सभी काम समय पर पूरे होंगे। युक्तिसंगत प्रयासों से लाभ होगा और रुके हुए काम पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति में भी धीरे-धीरे सुधार होगा।

मकर : मकर राशि वालों का दिन लाभदायक रहेगा और मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में दिनभर भागदौड़ कर सकते हैं। परिस्थितियां सुधरेंगी और सभी काम पूरे हो जाएंगे।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों के लिए दिन काफी व्यस्त रहेगा। एकदम से बहुत सारे काम आपके सामने आ सकते हैं। आपके विरोधी आपको फालतू काम में उलझ सकते हैं।

मीन : साहस और आत्मविश्वास बढ़ेगा। लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ेंगे। मन की दुविधा दूर करें, सफलता आपके हाथ में है। कोई बड़ा फैसला लेने का समय आ गया है।

विदेश की खबरें

ट्रंप प्रशासन ने एफएए वायु नियंत्रण कक्ष के कई कर्मचारियों को निकाला

वाशिंगटन : अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। प्रोफेशनल एविएशन सेफ्टी स्पेशलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष डेविड स्पैरो ने एक बयान में बताया कि परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को शुक्रवार देर रात ईमेल भेजकर सूचित किया गया कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है। बयान के मुताबिक, जिन कर्मचारियों ने नौकरी गंवाई है, उनमें एफएए राडार और विमानों की लैंडिंग एवं नेविगेशनल सहायता संबंधी प्रणाली के रखरखाव के लिए नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं। स्पैरो ने कहा कि कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने से जुड़े ईमेल शुक्रवार को शाम सात बजे से मिलने शुरू हुए। उन्होंने बताया कि कई और कर्मचारियों को ऐसे ईमेल भेजे जा सकते हैं या उन्हें एफएए परिसरों में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। स्पैरो ने बताया कि कर्मचारियों को बिना किसी कारण के, न तो प्रदर्शन और न ही आचरण के आधार पर नौकरी से निकाल दिया गया और उक्त ईमेल एक कार्यकारी आदेश नामक माइक्रोसॉफ्ट ईमेल आईडी से भेजे गए थे, न कि किसी सरकारी ईमेल आईडी से। ट्रंप प्रशासन ने 29 जनवरी को रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक सैन्य हेलीकॉप्टर और अमेरिकन एयरलाइंस के यात्री विमान के टकराने की घटना के कुछ हफ्तों बाद एफएए के सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

लेबनान में ड्रोन हमले में हमास का सैन्य अभियान प्रमुख मारा गया : इजराइल

यरूशलम : दक्षिणी लेबनान में सोमवार को इजराइली ड्रोन हमले में देश में हमास का सैन्य अभियान प्रमुख मारा गया। इजराइली सेना ने यह जानकारी दी है। यह हमला युद्ध विराम समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइल की पूर्ण वापसी की समय सीमा की पूर्व संध्या पर हुआ, जिसके तहत इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 14 महीने से चल रहा युद्ध समाप्त हुआ है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने लेबनान में हमास के संचालन विभाग के प्रमुख मोहम्मद शाहीन को मार गिराया है। सेना ने शाहीन पर हाल ही में लेबनानी क्षेत्र से इजराइल के नागरिकों के खिलाफ ईरान द्वारा निर्देशित और वित्तपोषित आतंकवादी हमलों की योजना बनाने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश ने दक्षेस में नई जान फूंकने में भारत का समर्थन मांगा

ढाका : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने मस्कट में एक बहुपक्षीय सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक में दक्षेस को पुनर्जीवित करने के लिए भारत से समर्थन मांगा है। रविवार को मस्कट, ओमान में 8वें हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'हुसैन ने 1996 में हस्ताक्षरित गंगा जल संधि के नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू करने की मांग की और दक्षेस स्थायी समिति की बैठक बुलाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा इस मामले में नई दिल्ली से समर्थन का अनुरोध किया।' मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस या सार्क) के पुनरुद्धार पर जोर दे रही है, जिसे भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण लंबे समय से निलंबित कर दिया गया है। बैठक के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में जयशंकर ने दक्षेस का उल्लेख नहीं किया। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की। बातचीत हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ बिम्सटेक पर भी केंद्रित थी।' इस साल 2 से 4 अप्रैल तक बैंकॉक में होने वाले छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बाद बांग्लादेश थाईलैंड की जगह अध्यक्ष बन जाएगा। बयान में कहा गया, 'दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में दोनों पड़ोसियों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचाने और उनसे निपटने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर चर्चा की।'

वर्ग पहेली नं. 3008

1	2		■	3	■	4	5	■	6
■		■	7		8	■	9	10	
11		12		■	13	14			■
	■		■	15			■	16	
17			■		■	18	19		■
	■		■	20	21	■		■	22
■	23		24	■	25	26			
■		■	27	28	■		■	■	
29			■	30			■	31	

बायें से दायें:- 1) पारंगतता; हुनरमंदी; दक्षता; प्रवीणता; बुद्धिमत्ता, 4) दृष्टिकोण; चिंता, 7) एक सागसब्जी, 9) विषय; समस्या, 11) नकली, 13) टूट पड़ना, 15) वाचाल; गपरसिया, 16) वाक़यात; वास्तविकता, 17) बनावट, 18) यामिनी, 20) तमाम ; समस्त, 23) महिला, 25) सहयोगदाता, 27) अगर, 29) अनिष्ट संभावना ; संकट-चिन्ह, 30) भकोसना; चर जाना, 31) षडयंत्रकारी दल; समूह; गिरोह.

ऊपर से नीचे:- 2) उड़ाना; मारना, 3) त्वचा, 5) कांति, 6) हिंडोला, 7) झोपड़ी, 8) अवांछनीय, 10) परंपरावादी, 11) किसी साधारण-सी बात को दिया हुआ झगड़े-बखेड़े का रूप, 12) भारी, 14) छेना, 15) एक संख्या, 19) फाँसीकर्मी, 21) एक पांडव, 22) *लाक्षणिक* अर्थ से अवसरवादी, 23) मूल्य; प्रतिष्ठा, 24) निर्धारित, 26) दिखाना, 28) हार्दिकतः; मन से.

(उत्तरः अगले अंक मे)

पिछली पहेली का उत्तर

शै	शा	व	■	मा	मा	■	स	सु	र
■	रा	■	अं	त	र्ग	त	■	था	■
क	र	तू	त	■	■	म	हा	र	त
र	त	■	रा	म	दा	स	■	वा	■
भ्रा	■	का	ल	■	दू	■	बा	द	ल
क	ला	म	■	द	र	बा	र	■	ग
■	■	या	त	ना	■	धा	■	मौ	न
ख़ा	रा	बी	■	द	म	क	ल	■	श्री
ता	ज	■	चु	न	ना	■	व	र्तु	ल

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2968

						5	1	3
4			2					
			4		6	2		
	3	9						
1								
6	8						4	
			7	9				
				3				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2967 का उत्तर

3	8	2	5	4	1	6	7	9
5	7	1	9	6	2	3	4	8
9	4	6	8	7	3	2	1	5
6	3	4	1	2	5	9	8	7
2	9	7	6	8	4	5	3	1
1	5	8	7	3	9	4	6	2
7	2	9	3	1	6	8	5	4
8	6	5	4	9	7	1	2	3
4	1	3	2	5	8	7	9	6

टी टूरिज्म के नाम पर चाय बागानों की जमीन देने के फैसले का भाजपा विधायकों ने विधानसभा में किया विरोध

❑ भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री से फैसला वापस लेने की मांग की
❑ ममता सरकार पर चाय श्रमिकों को जमीन का अधिकार अब तक नहीं देने का लगाया आरोप

कोलकाता : बंगाल में विपक्षी भाजपा के विधायकों ने हाल में राज्य में आयोजित ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा टी टूरिज्म के नाम पर चाय बागानों की 30 प्रतिशत जमीन को फ्री होल्ड करके उद्य-ोगपतियों को देने की घोषणा का सोमवार को कड़ा विरोध करते हुए विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया। दूसरे हाफ में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के कालचीनी से भाजपा विधायक विशाल लामा ने इस मुद्दे को उठाते हुए सदन के माध्यम से मुख्यमंत्री से इस घोषणा को तुरंत वापस लेने की मांग की। मुख्यमंत्री की घोषणा का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि यह कदम चाय बागानियों के लिए घातक है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार ने आजतक चाय बागान मजदूरों विशेषकर आदिवासियों को उनका जो जमीन का अधिकार है, वह नहीं दिया। लामा ने कहा कि उद्योगपतियों को जमीन देने के लिए सदन में राज्य सरकार द्वारा बिल लाया जाता है। संख्या बल के आधार पर बिल पास भी करा लिया जाता है। लेकिन जब श्रमिकों को जमीन देने की बात आती है तो कोई बिल नहीं लाया जा। पट्टा देने की घोषणा कर दी जाती है और मात्र नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वह पट्टा भी गैर हस्तांतरणीय होता है और जहां श्रमिक रहते हैं, वहां जमीन नहीं दी जाती है। लामा ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में भी उसका कोई उल्लेख नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे स्पष्ट है कि ममता सरकार चाय श्रमिकों को जमीन का अधिकार देने एवं न्यूनतम मजदूरी देने में भी नाकाम है। लामा ने मुख्यमंत्री को सोमवार को पत्र के माध्यम से भी इस घोषणा को तुरंत वापस लेने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने राज्यपाल को भी पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि राज्य सरकार इस घोषणा को वापस ले। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

इसी तरह उत्तर बंगाल के कर्सियांग से भाजपा विधायक बिष्णु प्रसाद शर्मा ने भी राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए चाय बागान की जमीन उद्योग को देने संबंधी मुख्यमंत्री की घोषणा का कड़ा विरोध किया। उन्होंने चाय बागान श्रमिकों को अब तक जमीन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से इसे मुहैया कराने का अनुरोध किया।

बंगाल विधानसभा में राज्यपाल के बजट अभिभाषण पर चर्चा

❑ **पहले दिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के 24 विधायकों ने चर्चा में लिया भाग**

कोलकाता : बंगाल विधानसभा में सोमवार को राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बजट अभिभाषण पर पहले दिन चर्चा हुई, जिसमें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों के विधायकों ने भाग लिया। कुल 24 विधायकों, जिसमें विपक्षी भाजपा के नौ और सत्तारूढ़ तृणमलू कांग्रेस के 15 - ने चर्चा में भाग लिया। भाजपा विधायकों ने दावा किया कि राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा उन्हें जो भी भाषण भेजा था, उसे पढ़ा और उसमें बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का कोई उल्लेख नहीं था। भाजपा विधायकों चंदना बारुई, दिवाकर घरामी, सिखा चटर्जी और नरहरि महतो ने आरोप लगाया कि राज्य में हिंदुओं को दुर्गा पूजा, रामनवमी, काली पूजा और सरस्वती पूजा आयोजित करने में बाधाएं दी जाती है। उन्होंने कोलकाता के जोगेश चंद्र कालेज में पुलिस की तैनाती में इस बार सरस्वती पूजा आयोजित करने में अदालत के हस्तक्षेप का भी उल्लेख किया। वहीं, तृणमूल विधायकों मोहम्मद अली, श्यामल मंडल, रफीकुल रहमान और मुकुटमणि अधिकारी सहित अन्य ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया और राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। राज्यपाल के अभिभाषण पर मंगलवार को दूसरे दिन भी सदन में चार घंटे की चर्चा होगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी चर्चा में हिस्सा लेंगी। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री विपक्ष पर जोरदार हमला बोल सकती हैं और राज्य सरकार की उपलब्धियों का बखान कर सकती हैं। इस बार राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के लिए लगातार दो दिन सोमवार व मंगलवार को क्रमश: तीन व चार घंटे का समय निधारित किया गया था। बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 10 फरवरी को राज्यपाल बोस के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ था। इसके दो दिन बाद 12 फरवरी, बुधवार को राज्य का बजट पेश किया गया था। बुधवार और गुरुवार को राज्य के बजट पर क्रमश: तीन व चार घंटे की चर्चा होगी। बजट सत्र का पहला चरण 20 फरवरी तक चलेगा।

जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में मारपीट, 10 घायल, आरोप टीएमसी नेता पर

❑ **गंभीर रूप से घायल चार लोगों को कोलकाता के अस्प-ताल में भर्ती कराया गया**

कोलकाता : राज्य के उत्तर 24 परगना के मिनाखां थाने के छयानी हाजीपाड़ा इलाके में जमीन विवाद को लेकर मारपीट में 10 लोग घायल हो गए। इस घटना में गंभीर रूप से घायल चार लोगों को कोलकाता के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य लोगों को जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप स्थानीय तृणमूल की पंचायत सदस्य के पति मोइनुल मोल्ला के खिलाफ लगा है। बताया जाता है कि सलीम मोल्ला के साथ उसके रिश्तेदार काशेम मोल्ला के बीच जमीन को लेकर अदालत में मामला चल रहा था। अदालत ने सलीम मोल्ला के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद सलीम ने उस जमीन पर खेती शुरू की। आरोप है कि इसके बाद ही स्थानीय तृणमूल नेता व पंचायत सदस्य के पति मोइनुल मोल्ला ने काशेम मोल्ला के समर्थन में अपने समर्थकों को लेकर लाठी डंडे से सलीम के लोगों पर हमला किया। दोनों तरफ से मारपीट हुई। सलीम के परिवार के चार लोग घायल हैं। इसे लेकर तृणमूल नेता व स्थानीय पंचायत सदस्य के पति मोइनुल मोल्ला ने कहा कि यह उन दोनों का आपसी विवाद है। इससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है।

कोलकाता हाईकोर्ट ने बैंक भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई को एफआईआर न दर्ज करने पर फटकार लगाई

कोलकाता, समाज्ञा : बैंक भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर न दर्ज करने पर केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को कोलकाता हाईकोर्ट से कड़ी फटकार का सामना करना पड़ा। दो सरकारी बैंकों की तीन शाखाओं में कई करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोप पहले ही लगाए जा चुके थे, लेकिन सीबीआई ने अब तक एफआईआर क्यों नहीं की, इस पर अदालत ने कड़ा सवाल उठाया। सोमवार को हुई सुनवाई में जज तीर्थंकर घोष ने सीबीआई को तीखी चेतावनी देते हुए कहा, क्या सीबीआई काम नहीं करेगी? बंगाल में ऐसा हो रहा है। याद रखें, यह जनता का पैसा है जो लूटा गया है। इसके बाद सीबीआई के वकील ने कहा, अगर हम एफआईआर दर्ज करेंगे और बाद में बैंक यह कहेगा कि यह भ्रष्टाचार का मामला नहीं है, तो क्या होगा? इस पर जज ने कहा, इन जटिलताओं को छोड़ कर सीबीआई को प्राथमिक जांच करनी चाहिए और अगर बैंक को कोई आपत्ति नहीं है तो एफआईआर तुरंत दर्ज करें। जज ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर राज्य से अनुमति की आवश्यकता होती, तो वह पूरी तरह से निराधार होता, क्योंकि बैंकों के मामलों में राज्य की अनुमति की कोई जरूरत नहीं है।

पिता व चाचा पर युवक की हत्या के आरोप से हड़कंप

माल्दा : जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 20 वर्षीय युवक की उसके पिता और चाचा ने मिलकर कथित तौर पर हत्या कर दी। आरोप है कि युवक अपने पिता की दूसरी शादी का विरोध कर रहा था, जिससे नाराज होकर उसे श्वासरोध कर मार दिया गया और फिर आत्महत्या का रूप देने के लिए उसके शव को पंखे से लटका दिया गया। मामला माल्दा जिले के कालियाचक थाना क्षेत्र के मोजामपुर ग्राम पंचायत का है। मृतक युवक का नाम राज मोमिन (20) है। दो साल पहले उसने मदरसा बोर्ड से दसवीं की परीक्षा पास की थी, लेकिन इसके बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी और अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाने लगा। इसी बीच, उसके माता-पिता का तलाक हो गया। कुछ दिन पहले राज के पिता सरफराज आलम (52) ने दूसरी शादी कर ली। परिवार के अन्य सदस्यों को इस शादी से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन राज इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा था। इसको लेकर घर में तनाव बढ़ता गया। मृतक के मामा शमीम नवाब ने आज आरोप लगाया कि राज की हत्या उसके पिता सरफराज आलम और चाचा डनी मोमिन ने मिलकर की।

फुटपाथ से उठाकर सात माह की बच्ची से दुष्कर्म में युवक दोषी करार

बीते वर्ष 30 नवंबर को फुटपाथ से बच्ची को उठा कर किया गया था दुष्कर्म

कोलकाता : महानगर के बड़तल्ला इलाके में फुटपाथ से सात माह की बच्ची से उठाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में बैंकशाल कोर्ट ने दुष्कर्मी युवक को दोषी करार दिया है और मंगलवार को दोपहर1:30 बजे सजा की घोषणा की जाएगी। 30 नवंबर को फुटपाथ पर रहने वाले एक दंपती ने बड़तल्ला थाने में अपनी सात माह की बेटी के गुम होने की शिकायत दर्ज कराई थी। कुछ घंटों बाद फुटपाथ पर ही बच्ची मिली। इसके बाद पुलिस ने चार दिसंबर को आरोपित को झाड़ग्राम से गिरफ्तार कर लिया। घटना के 26

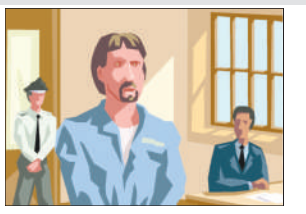

दिनों बाद पुलिस ने आरोपपत्र अदालत में पेश कर दिया। जांचकर्ताओं ने सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखकर युवक की पहचान की। अदालत ने सोमवार को उसे दोषी पाया?

दुष्कर्मी का नाम राजीव घोष है। लालबाजार सूत्रों के अनुसार युवक की उम्र 34 वर्ष है। उसका घर झाड़ग्राम के गोपीबल्लभपुर इलाके में है। प्रताड़ित बच्ची का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल में शुरुआती जांच में यौन उत्पीड़न के सबूत भी मिले। सरकारी वकील ने अदालत के बाहर कहा कि हमने सीसीटीवी फुटेज देखे हैं। आरजी कर अस्पताल से एक विशेषज्ञ डाक्टर शारीरिक परीक्षण के लिए आए। डाक्टर ने यह भी कहा कि यह दुर्लभतम मामला है। जिस तरह से उस बच्चे को प्रताड़ित किया गया वह अकल्पनीय है। अदालत ने आरोपित को दोषी करार दिया है। उसके माता-पिता उस जगह से सिर्फ़ 100 मीटर की दूरी पर रहते हैं जहां बच्चा फुटपाथ पर पाया गया था। घटना वाले दिन वे बच्चे को छोड़कर कहीं चले गए। उसी समय बच्चे का अपहरण कर लिया गया था। इस घटना में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 65(2) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने अदालत में 13 पृष्ठों का आरोपपत्र पेश किया था। उसी आधार पर बैंकशाल कोर्ट की विशेष पाक्सो अदालत में मुकदमा चला।

बंगाल के पर्यटन क्षेत्र को बिजनेस समिट में 5,600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले : मंत्री

❑ **विधानसभा में राज्य के पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन ने दी जानकारी**
❑ **वित्त वर्ष 2025-26 में राज्य में पर्यटन से जुड़ी 70 परियोजनाएं शुरू की जाएगी**

कोलकाता : बंगाल को हाल ही में कोलकाता में हुए दो दिवसीय ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) में पर्यटन क्षेत्र में करीब 5,600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। राज्य के पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन ने सोमवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने प्रश्नकाल में सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में राज्य में पर्यटन से जुड़ी 70 परियोजनाएं शुरू की जाएंगी, जिनमें से 38 दक्षिण बंगाल के जिलों में हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं पर 71 करोड़ रुपये की लागत आएगी।सेन ने कहा कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) में पर्यटन क्षेत्र में निवेश के करीब 5,600 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये निवेश अगले वित्त वर्ष तक आकार ले लेगा। सेन ने यह भी दावा किया कि 2022-23 में करीब आठ करोड़ घरेलू पर्यटकों ने बंगाल के विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा किया। मंत्री ने कहा कि यह आंकड़ा 2024-25 तक बढ़कर 18.4 करोड़ हो गया है। उन्होंने कहा कि 2022-23 में राज्य में विदेशी पर्यटकों का आगमन 10 लाख था, जो 2024-25 तक बढ़कर 31 लाख हो गया है।

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं. 348_2024-25, दिनांक 14.02.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा **(सीनि. डीईएन/1/हावड़ा)** नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरण:** सीनि. डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन लोकेशनों - बाली-बैण्डेल अप मेन लाइन किमी. 7.051-7.585, 11.008-11.968 किमी., 13.768-14.004 किमी., 14.02-15.863 किमी., 17.42-19.179 किमी., बाली-बैण्डेल डाउन मेन लाइन-12.033-12.695 किमी., 12.827-13.382 किमी., 13.762-15.802 किमी., बाली-बैण्डेल अप मेन लाइन 21.587-21.771 किमी., 23.004-24.063 किमी., 24.779-24.819 किमी., 25.329-28.041 किमी. एवं 28.60-38.001 किमी. एवं बाली-बैण्डेल डाउन मेन लाइन - 28.598-32.393, 33.058-37.406 किमी. के बीच सेस मरम्मत कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 2,34,69,749.75; **बयाना राशि:** रु. 2,67,400; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** बारह (12) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, चूंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 10.03.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। **ईएमडी एवं टीडीसी का भुगतान:** ई-निविदा के संबंध में बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के जरिए स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-609/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-केजीपी-डब्ल्यू-2024-25-24, दिनांक: 14.02.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 निम्नलिखित कार्य के लिए मद के सामने उल्लिखित तारीख को **अपराह्न 3:00 बजे से पहले** ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं और जिसे **अपराह्न 3:30 बजे** खोला जाएगा। **कार्य का विवरण:** लाइनों के 3 सेट टीडब्ल्यूएस तथा स्लीव का स्थानांतरण एवं नवीकरण द्वारा पश्चिम छोर पर लेआउट का सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹ 29,73,468.20। **बयाना राशि:** ₹ 59,500। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **खुलने की तारीख:** 11.03.2025। **पूरा करने की अवधि:** 06 (छः) महीने। **जमा करने की तारीख:** 11.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण, ब्योरा और स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस कार्य के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **द्रष्टव्य :** सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए भावी बोलीदाता वेबसाइट www.ireps.gov.in नियमित रूप से देख सकते हैं। (PR-1140)

फर्जी जाब कार्ड के संबंध में राज्य सचिवालय ने सभी जिला प्रसासनों से मांगे तथ्य

इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री राज्य के पंचायत मंत्री के साथ बैठक करने वाले हैं

कोलकाता : फर्जी जाब कार्ड के संबंध में राज्य सचिवालय ने सभी जिला प्रशासनों से जानकारी मांगी है। दरअसल इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य के पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार से बैठक करने वाले हैं। इसके मद्देनजर राज्य सचिवालय ने सभी जिला प्रशासनों से 100 दिन के रोज-गार योजना के तहत फर्जी जाब कार्ड से संबंधित तथ्य उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार यह आरोप लगाती रही हैं कि केंद्र सरकार 100 दिन के रोजगार की योजना का बकाया नहीं दे रही है। 2022 से मनरेगा का पैसा देने के लिए कई बार आवेदन किया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे अब तक मंजूरी नहीं दी है। हाल ही में मनरेगा से जुड़े नोडल अधिकारियों के साथ पंचायत विभाग ने वर्चुअल बैठक की है। बैठक में फर्जी जाब कार्ड को लेकर तथ्य तैयार रखने को कहा गया है। जो जाब कार्ड रद हुए हैं, उसके धारक ने अतीत में रुपये लिये हैं या नहीं, इसकी जांच करने को भी कहा गया है। इस योजना के तहत जो कार्य हुआ है, उसके आडिट का काम जल्द खत्म करने का निर्देश भी दिया गया है। गत 25 जनवरी को केंद्र सरकार ने मनरेगा को लेकर राज्य सरकार को एक पत्र भेज कर रद जाब कार्ड का मुद्दा उठाया है। किन-किन कारणों से जाब कार्ड रद किया जाएगा, इस बारे में भी स्पष्ट कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि तीन वर्षों तक यदि कोई काम नहीं करता है, अपने निवास स्थान से लंबे समय के लिए अन्यत्र जाने व एक ही परिवार में कई जाब कार्ड धारक की मौत होने पर जाब कार्ड रद हो सकते हैं। केंद्र ने स्पष्ट किया है कि ऐसे लोगों का जाब कार्ड रद करने का काम राज्य सरकार को ही करना होगा। यदि किसी जाब कार्ड धारक की मौत हुई है तो उसके परिवार को रुपये मिले हैं कि नहीं, इसकी स्पष्ट तौर पर जानकारी देने को कहा गया है।

क्या वोटर और आधार कार्ड होने से ही कोई भारतीय हो जाता है? कोलकाता हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी

कोलकाता : कोलकाता हाईकोर्ट ने फर्जी पासपोर्ट मामले में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि सिर्फ वोटर कार्ड और आधार कार्ड होने से कोई भारतीय नागरिक साबित नहीं हो सकता। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे दस्तावेज कई बांग्लादेशी नागरिकों के पास भी होते हैं और कुछ लोग खुद को भारतीय साबित करने के लिए टैक्स तक भर रहे हैं।

फर्जी पासपोर्ट मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति देबांशु बसाक ने कहा, क्या सिर्फ वोटर आईडी और आधार कार्ड होने से कोई भारतीय नागरिक बन जाएगा? यह जरूरी नहीं कि जिसके पास ये दस्तावेज हैं, वह भारत का नागरिक हो।

उन्होंने आगे कहा, अमेरिका से जिन लोगों को निर्वासित किया गया, उनके मामलों में भी यही देखा गया है।

बर्धमान जिले के दुलाल शील और उनकी पत्नी स्वप्ना शील को एक साल पहले पुलिस ने अवैध रूप से भारत में घुसपैठ करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

उनके वकील ने अदालत में दलील दी कि 2014 के बाद जो लोग भारत आए, उन्हें घुसपैठिया माना जाता है, लेकिन यह दंपति 2010 में भारत आया था। इसलिए उन्हें घुसपैठिया नहीं माना जाना चाहिए और उन्हें जमानत दी जानी चाहिए।

हाईकोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि पुलिस अभी इस मामले की जांच कर रही है।

आखिरकार, कोलकाता हाईकोर्ट ने दुलाल शील और उनकी पत्नी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

आसनसोल मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार संविदा की सुपुर्दगी

सं. सीओएम/पीयूबी/पीआरओ/ई-ऑक्शन/2025 **दिनांक: 14.02.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 द्वारा **संविदा की सुपुर्दगी** के लिए वेबसाइट **www. ireps.gov.in** के मार्फत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है : **नीलामी की श्रेणी:** वाणिज्यिक प्रचार (विज्ञापन), **ई-नीलामी सूचीपत्र सं.:** एडीवीटी-एएसएन-0103, **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 01.03.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **स्टेशन का नाम/स्थान/ट्रेन सं. एवं एसएलआर: ओओएच: जसीडीह:** जसीडीह स्टेशन के नए सर्कुलेटिंग एरिया में। **कुल 01 सम्पत्ति: ओओएच सम्पत्ति की सं. - 01;** सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को ऊपरोक्त अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी के सम्पूर्ण विवरण तथा उसमें भागीदारी के लिए वेबसाइट **www. ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

(ASN-338/2024-25) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

फ्लाई ऐश से लदा बांग्लादेशी जहाज रेत के टीले से टकराने के बाद मुड़ीगंगा नदी में डूबा

जहाज को खाली करने के बाद उसे पड़ोसी देश ले जाया जाएगा

कोलकाता : बंगाल के बजबज से बांग्लादेश के लिए फ्लाई ऐश लेकर जा रहा एक जहाज दक्षिण 24 परगना जिले के मुड़ीगंगा नदी में रेत के टीले से टकराने के बाद डूब गया। एक अधिकारी ने बताया कि जहाज को खाली करने के बाद उसे पड़ोसी देश ले जाया जाएगा। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आइडब्ल्यूएआइ) के अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेशी जहाज के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और फिलहाल वे सागर थाने में हैं। फ्लाई ऐश को निकालने की प्रक्रिया जारी है ताकि जहाज को वापस पड़ोसी देश ले जाया जा सके। आइडब्ल्यूएआइ के क्षेत्रीय प्रमुख जीजे रेड्डी ने कहा कि यह दुर्घटना 13 फरवरी की रात को उस समय हुई जब जहाज फ्लाई ऐश लेकर बांग्लादेश वापस जा रहा था। जहाज को खाली करने की प्रक्रिया जारी है।'

इस बीच घोड़ामारा द्वीप के एक पंचायत सदस्य ने वीडियो साझा किया है, जिसमें डूबते हुए बांग्लादेशी जहाज से कथित तौर पर फ्लाई ऐश को मुड़ीगंगा में डाला जा रहा है। अपनी आजीविका के लिए नदी पर निर्भर स्थानीय मछुआरे ने नदी के प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की।कोलकाता बंदरगाह के एक अधिकारी ने कहा कि उस मार्ग पर बंदरगाह जाने वाले किसी भी जहाज का परिचालन नहीं होता, इसलिए बंदरगाह के परिचालनों पर कोई खतरा नहीं है।

रेल मंत्री की लापरवाही के कारण नई दिल्ली स्टेशन पर घटी दुर्घटना, तृणमूल, कांग्रेस ने लगाए आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ के दौरान हुई दर्दनाक दुर्घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। इस घटना ने देशभर में भारी आलोचना का सामना किया है। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को 'अर्ध-मंत्री' करार देते हुए आरोप लगाया कि यह घटना उनकी लापरवाही का परिणाम है। तृणमूल ने दावा किया कि यह हादसा रेल सेवाओं की कमजोर बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं में अनदेखी का परिणाम है। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने पहले भी संसद में इस मुद्दे पर सवाल उठाए

थे और सोमवार को सोशल मीडिया पर फिर से इसे तूल दिया। वहीं, कांग्रेस ने रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सियालदह में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष शुभांकर सरकार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्टेशन परिसर में पोस्टर और बैनर लेकर विरोध जताया। सियालदह स्टेशन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी थी।

शनिवार रात नई दिल्ली स्टेशन पर महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण यह दुर्घटना हुई, जिसमें 18 लोगों की जान गई, जिनमें 11 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में इलाज जारी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस हादसे को 'दिल दहला देने वाली' घटना बताया और अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

स्वामी विवेकानंद का “कोलकाता प्रत्यावर्तन दिवस” पालन

● कोमागाता मारू बजबज से सियालदह तक स्पेशल ट्रेन ●

स्वामी विवेकानंद के पावन '129वें कोलकाता प्रत्यावर्तन दिवस' पालन करने तथा यात्रियों की प्रत्याशित भीड़ से निपटने के लिए, **दिनांक 19.02.2025 को कोमागाता मारू बजबज से सियालदह (साऊथ) स्टेशन तक एक सुसज्जित अप ईएमयू स्पेशल ट्रेन** निम्नलिखित संभावित समय-सूची के अनुसार चलाई जाएगी:-

स्टेशन ↓	समय-सूची	स्टेशन ↓	समय-सूची
के बजबज	11.05	माझेरहाट	11.27/11.28
नंगी	11.10/11.11	न्यू अलीपुर (कोलकाता)	11.32/11.33
आकड़ा	11.14/11.15	बालीगंज	11.52/11.53
ब्रेस ब्रिज	11.23/11.24	सियालदह (साऊथ)	12.10

ऊपर उल्लेखित कोमागाता मारू बजबज-सियालदह (साऊथ) सुसज्जित अप ईएमयू स्पेशल ट्रेन मार्ग में फ्लैग एवं हॉल्ट स्टेशनों सहित सभी स्टेशनों पर ठहरेगी। **मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह**

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दमदम में बुजुर्ग दंपति को हथियार दिखाकर डकैती

कोलकाता : कोलकाता मध्य कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू इलाके में एक वृद्धा को हथियार दिखा कर दुस्साहसिक डकैती की वारदात को महानगर कोलकाता को लोग भूले नहीं थे कि, फिर उक्त तरह की वारदात ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठने लगा है। अब डकैतों ने अपना शिकार दमदम इलाके में एक बुजुर्ग दंपति को बनाया और हथियारों के बल पर डकैती की। पुलिस व स्थानीय लोगों ने बताया कि, घटना नलता स्कूलबाड़ी रोड स्थित वार्ड नंबर सात में घटी। यहां के एक घर में कई हथियारबंद डकैत घुसे और उन्होंने बुजुर्ग दंपति को बंधक बना लिया। डकैतों ने बुजुर्ग दंपति शंकर मजूमदार और पुतुल मजूमदार को चाकू दिखाकर पूरे

घर को लूट लिया। घटना के बाद दमदम थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। घटना रविवार रात करीब दो बजे की है। शंकर मजूमदार और पुतुल मजुमदार नामक बुजुर्ग दंपति अपने तीन मंजिला मकान में रहते हैं। उनका बेटा देवाशीष मजूमदार महाराष्ट्र में नौकरी करता है। पुलिस के अनुसार, छह-सात नकाबपोश बदमाश घर में घुसे। सभी ने हेलमेट पहन रखा था और उनके कंधों पर बैग लटके हुए थे।

बदमाशों ने पहले घर की खाली पड़ी ग्राउंड फ्लोर की खिड़की के ग्रिल तोड़े, फिर दरवाजा खोलकर अंदर घुस गए। इसके बाद वे ऊपर पहुंचे और बुजुर्ग दंपति को बंधक बना लिया। बदमाशों ने चाकू की नोक पर धमकाया, उनका मुंह बंद कर सोने की नथ और अंगूठी उतार ली गई। इसके अलावा, घर में रखा कीमती सामान और नकदी भी लूटकर बदमाश फरार हो गए। पीड़ित महिला लकवे (पक्षाघात) से ग्रस्त होने के कारण ज्यादा शोर नहीं कर सकीं, जिससे बदमाशों को वारदात को अंजाम देने में कोई दिक्कत नहीं हुई। खास बात यह रही कि सभी बदमाश हेलमेट पहने हुए थे, जिससे दंपति किसी की भी पहचान नहीं कर सके। दमदम थाना पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है। इस घटना ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि बदमाश घर के बारे में पहले से जानते थे या रेकी की गई थी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हमलावर कोई जान-पहचान का था या बाहरी गिरोह?

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL · EDUCATION · OBITUARY
PROPERTY · NAME CHANGE · REMEMBRANCE
RECRUITMENT · PUBLIC NOTICE · DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

माध्यमिक परीक्षा : गलत सवाल या मुश्किल गणित? विवाद पर शिक्षा परिषद का बड़ा फैसला

कोलकाता : माध्यमिक गणित परीक्षा खत्म होने के बाद कई छात्रों का मन भारी था। प्रश्नपत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। आरोप था कि दो प्रश्न सिलेबस से बाहर के थे, जबकि कुछ छात्रों का कहना था कि प्रश्नपत्र में कई गलत सवाल थे। इस स्थिति में सोमवार को मध्य शिक्षा परिषद ने एक बड़ा फैसला लिया। परिषद ने घोषणा की कि यदि किसी छात्र ने उन प्रश्नों को हल करने का प्रयास किया है, तो उन्हें अंक दिए जाएंगे।

■ कौन-कौन से प्रश्न विवादित थे?

शनिवार को हुई माध्यमिक गणित परीक्षा में उत्तर बंगाल, बर्दवान, मेदिनीपुर और कोलकाता रीजन के प्रश्नपत्रों में कुछ सवालों को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ।

- **उत्तर बंगाल रीजन: प्रश्न संख्या 3 (vi)**
- **बर्दवान रीजन: प्रश्न संख्या 3 (iii)**
- **मेदिनीपुर रीजन: प्रश्न संख्या 3 (iv)**
- **कोलकाता रीजन: प्रश्न संख्या 3 (i)**
- **सभी रीजन के प्रश्नपत्रों में प्रश्न संख्या 15 (i)** भी विवादित था।

कई छात्रों और शिक्षकों का दावा था कि ये प्रश्न बहुत कठिन थे और सिलेबस से बाहर के थे।

■ परिषद का फैसला: प्रयास करने पर भी मिलेंगे अंक

सोमवार को शिक्षा परिषद ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर विवाद पर स्पष्टीकरण दिया। परिषद ने कहा कि सभी प्रश्न सिलेबस के अंदर से ही लिए गए थे, लेकिन छात्रों के हित में यह निर्णय लिया गया है कि यदि किसी ने इन प्रश्नों को हल करने का प्रयास किया है, तो उन्हें अंक दिए जाएंगे।

■ क्या होगा अंक देने का तरीका?

यदि छात्र ने सही तरीके से सवाल हल करने की शुरुआत भी की है, तो उसे अंक मिलेंगे।

यदि पूरा समाधान सही नहीं भी हुआ हो, तब भी उत्तर लिखने की कोशिश करने वालों को अंक दिए जाएंगे।

■ छात्रों में खुशी

इस फैसले के बाद उन छात्रों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई, जिन्होंने इन सवालों के उत्तर लिखे थे। अब वे निश्चिंत होकर अगले पेपर की तैयारी कर सकते हैं।

मोबाइल सहित इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने पर रद्द होगा पूरा परीक्षा, उच्च माध्यमिक परिषद का सख्त निर्देश

कोलकाता : माध्यमिक परीक्षा के बाद अब उच्च माध्यमिक परीक्षा में भी मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में मोबाइल या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के साथ पकड़ा जाता है, तो उसकी पूरी परीक्षा रद्द कर दी जाएगी और उसका एडमिट कार्ड भी निरस्त कर दिया जाएगा। उसे फिर से परीक्षा के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा। उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष चिरंजीब भट्टाचार्य ने यह स्पष्ट निर्देश जारी किया है।

❑ सख्त जांच के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश

सोमवार को जारी आधिकारिक अधिसूचना में परिषद ने कहा कि प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले मेटल डिटेक्टर से जांच की जाएगी। केवल जांच के बाद ही परीक्षार्थी को अंदर जाने दिया जाएगा।

केवल परिषद द्वारा अनुमोदित कैलकुलेटर ही परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति होगी।

यदि कोई परीक्षार्थी मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच या किसी अन्य स्मार्ट डिवाइस के साथ पकड़ा जाता है, तो उसका पूरा वर्ष की परीक्षा रद्द कर दी जाएगी।

❑ शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भी निर्देश

परीक्षा केंद्र में केवल छात्रों ही नहीं, बल्कि ड्यूटी पर मौजूद शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

उन्हें परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन साथ नहीं लाने की सलाह दी गई है।

अगर वे मोबाइल लाते हैं, तो उन्हें इसे परीक्षा केंद्र के 'वेन्यू सुपरवाइजर' के पास जमा करना होगा।

❑ पहले भी रद्द हो चुकी हैं परीक्षाएं

गौरतलब है कि माध्यमिक परीक्षा के दौरान भी मोबाइल फोन ले जाने के आरोप में कई छात्रों की परीक्षाएं रद्द की गई थीं। अब उच्च माध्यमिक परीक्षा में भी इस सख्ती को लागू किया गया है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी रखा जा सके।

भारत से ई-कॉमर्स निर्यात में तेज़ी लाने के लिए अमेज़न और डीजीएफटी ने किया अपने सहयोग का विस्तार

कोलकाता : अमेज़न और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने आज भारत से ई-कॉमर्स निर्यात में तेज़ी लाने के लिए अपने सहयोग के विस्तार की घोषणा की। यह प्रारंभिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आधारित है जिस पर नवंबर 2023 में हस्ताक्षर किया गया था। इसका उद्देश्य था, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार की जिलों को निर्यात केंद्र पहल के रूप में लाभ उठाना था। यह नवीनीकृत गठजोड़ देश भर में एमएसएमई को ई-कॉमर्स निर्यात में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और संसाधनों से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। संतोष सारंगी (डीजीएफटी के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक), चेतन कृष्णस्वामी (उपाध्यक्ष, सार्वजनिक नीति - अमेज़न) और भूपेन वाकणकर (वैश्विक व्यापार निदेशक - अमेज़न इंडिया) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया गया।

पश्चिम बंगाल सम्मेलन में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया केंद्रीय स्तर पर रखने की मांग उठी

कोलकाता, समाज्ञा

पश्चिम बंगाल में रविवार को सरकारी कॉलेज शिक्षक संघ का वार्षिक सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें स्नातक में प्रवेश प्रक्रिया को केंद्रीय स्तर पर बनाए रखने की मांग उठाई गई। इस शैक्षिक वर्ष में उच्च शिक्षा विभाग ने केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से स्नातक प्रवेश प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन बाद में सितंबर में यह प्रक्रिया कॉलेजों के हाथों में सौंप दी गई। सम्मेलन में यह भी कहा गया कि प्रवेश प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर कॉलेजों को इस जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जाए। इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंसेज में आयोजित इस सम्मेलन में केंद्रीय स्तर पर छात्रों के प्रवेश के प्रयास की सराहना की गई और आगामी शैक्षिक वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरण को कॉलेजों के हाथों में न सौंपने की मांग की गई। सम्मेलन में यह भी बताया गया कि कॉलेजों को छात्रों के प्रवेश की जिम्मेदारी सौंपने से कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस संदर्भ में, हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग और राज्य के कॉलेजों के कुछ प्राचार्यों के बीच बैठक में भी यह मांग उठाई गई थी कि कॉलेजों को प्रवेश की जिम्मेदारी न दी जाए। इसके अलावा, सम्मेलन में सरकारी शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश, नौकरी की स्थायिकता और पदोन्नति से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

लाइफ बियॉन्ड कैंसर ने बच्चों में कैंसर से संबंधित जागरूकता पर किया प्रभावी आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : लाइफ बियॉन्ड कैंसर (एलबीसी), एक गैर-लाभकारी पहल, ने जिला 3291 के 40 रोटरी क्लबों के साथ मिलकर एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल चिकित्सा कैंसर मरीजों की जीवित रहने की स्थिति और भलाई को समर्पित करना था। इसका मुख्य उद्देश्य था कोई भी बच्चा कैंसर से न मरे। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को उनके सहयोग और समर्थन के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर उपस्थित अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता ने कहा, कैंसर सिर्फ मरीजों को ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों को भी प्रभावित करता है। उन्होंने अपनी टीम 'भावना आज ओ कल' के साथ एलबीसी और जिला रोटरी 3291 के सहयोग से उन परिवारों को सहायता देने का प्रयास किया है, ताकि वे इस कठिन परिस्थिति का सामना कर सकें और उन्हें कुछ आरामदायक स्थान मिल सके। इस मौके पर साइकोथेरेपिस्ट और केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल की संस्थापक डॉ. मीनू बुधिया ने रितुपर्णा की सराहना की और कहा, इस अंधेरी सुरंग के अंत में एक चमकती रौशनी है। हमें सबको दयालुता के साथ आगे बढ़कर, जीवन बचाने की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर आलियांस फ्रांसेज डू बेंगाल के डायरेक्टर निकोलस फासिनो, प्रसिद्ध गायनेकोलॉजिस्ट और अंतर्राष्ट्रीय जिला रोटरी 3291 के जिला गवर्नर डॉ. कृष्णेंदु गुप्ता, संजय बुधिया उपस्थित रहे।

आरजी कर अस्पताल में हृदय रोग के मैननिटोल इंजेक्शन पर डॉक्टरों की शिकायतों के बाद प्रतिबंध

कोलकाता, समाज्ञा

आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रिंगर लैक्टेट सलाइन के बाद अब एक और हृदय रोग से संबंधित इंजेक्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। डॉक्टरों से प्राप्त कई शिकायतों के आधार पर, मरीजों के हित में विजन पैरेंटेरल प्राइवेट लिमिटेड के मैननिटोल इंजेक्शन का उपयोग फिलहाल रोकने का निर्णय लिया गया है। यह इंजेक्शन हृदय रोग, कार्डियक अरेस्ट, ब्रेन स्ट्रोक और आंखों के स्ट्रोक के इलाज में महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे 'गोल्डन आवर' के दौरान दिया जाता है, जो किसी भी गंभीर स्थिति में तत्काल इलाज के लिए जरूरी होता है। अस्पताल प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि अब से इस इंजेक्शन का उपयोग नहीं किया जाएगा और डॉक्टरों को प्रिस्क्रिप्शन में इसका नाम नहीं लिखने की निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी स्वास्थ्य भवन को भी भेज दी गई है।

यह कदम स्वास्थ्य भवन द्वारा अन्य अस्पतालों के साथ बैठक के बाद लिया गया। जिसमें दवाओं और इंजेक्शनों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति लागू करने का फैसला किया गया। यदि किसी दवा या इंजेक्शन के इस्तेमाल से मरीज के लक्षणों में सुधार नहीं होता, तो संबंधित दवा को तुरंत बंद कर दिया जाएगा। आरजीकर अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. सप्तर्षि चटर्जी ने इस प्रतिबंध की सूचना स्वास्थ्य भवन को दी है।

कोलकाता मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का आरोप! दूसरे वर्ष के छात्र ने की शिकायत

कोलकाता : कोलकाता मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रैगिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दूसरे वर्ष के एक मेडिकल छात्र ने अपने सीनियर्स पर रैगिंग करने का आरोप लगाया है और इसकी शिकायत नेशनल मेडिकल कमीशन (छ्चउ) में भी दर्ज कराई गई है।

❑ क्या है मामला?

सोमवार को एंटी-रैगिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. अंजन अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने तीन वरिष्ठ छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगाया। हालांकि, उसने बाद में एक आरोपी के खिलाफ शिकायत वापस ले ली, लेकिन बाकी दो छात्रों के खिलाफ आरोपों पर अड़ा रहा।

शिकायतकर्ता छात्र का आरोप है कि हॉस्टल में उसे तरह-तरह से डराया और प्रताड़ित किया गया।

❑ नेशनल मेडिकल कमीशन तक पहुंचा मामला

छात्र ने इस मामले की शिकायत नेशनल मेडिकल कमीशन (छ्चउ) को भी भेजी है, जिसके बाद एंटी-रैगिंग कमेटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट भी लंबे समय से मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के खिलाफ आवाज उठा रहा था। ऐसे में इस छात्र की शिकायत ने फ्रंट की चिंताओं को और बल दे दिया है।

❑ अगर आरोप साबित हुए तो होगी सख्त कार्रवाई

कोलकाता मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और एंटी-रैगिंग कमेटी ने चार बार बैठक कर मामले की समीक्षा की।

कॉलेज प्रशासन के अनुसार, यदि अगली बैठक में आरोप साबित होते हैं, तो दोनों आरोपी छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

❑ जादवपुर विश्वविद्यालय में भी हुआ था बड़ा विवाद

गौरतलब है कि पिछले साल जादवपुर विश्वविद्यालय में भी रैगिंग का मामला तूल पकड़ चुका था, जब हॉस्टल में एक छात्र की मौत हो गई थी। अब कोलकाता मेडिकल कॉलेज में यह नया मामला चिंता का विषय बन गया है।

श्री लोद्रवा पार्श्वनाथ जैन मन्दिर में श्रद्धालु भाव विभोर

कोलकाता : श्री लोद्रवा पार्श्वनाथ जैन मन्दिर की दशम वर्षगांठ के अवसर पर ध्वजारोहण, सत्रहभेदी पूजा एवम धार्मिक कार्यक्रम मुकेश भाई शाह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए। मंदिर के ट्रस्टी विनीत रामपुरिया ने बताया जैनाचार्य विनय सागर सुरीश्वर महाराज एवम् कोलकाता दीपक गणिवर्य रविपद्मसागर महाराज साहेब के आशीर्वाद से सम्पन्न धार्मिक कार्यक्रमों में सैंकड़ों श्रद्धालु भक्त शामिल हुए। श्री त्रिभुवन जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के बिमल सिंह रामपुरिया, संजय रामपुरिया, राजेन्द्र जैन, लावण्य दुगड़, रतन चन्द बांगाणी, सुनील बांठिया, संजय शाह, अवनेश कोठारी एवम कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

हावड़ा स्टेशन पर बढ़ेगी यात्रियों की सुविधा, नए प्लेटफॉर्म 24 का हो रहा है निर्माण

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए नया प्लेटफॉर्म नंबर 24 का निर्माण किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य ट्रेनों के संचालन को और भी सुगम बनाना और यात्रा अनुभव को निर्बाध बनाना है। इस नए प्लेटफॉर्म के निर्माण से ट्रेन की देरी में कमी आएगी, प्लेटफॉर्म पर भीड़-भाड़ कम होगी और यात्री कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे हजारों रोजाना यात्रा करने वालों को अधिक सुविधा मिलेगी। नए प्लेटफॉर्म नंबर 24 के चालू होने के बाद हावड़ा स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही में सुधार होगा। प्लेटफॉर्म की बढ़ी हुई क्षमता ट्रेनों की आगमन और प्रस्थान को सुव्यवस्थित करेगी, जिससे प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम होगी और समय पालन में सुधार होगा। यात्री अब कम समय में चढ़ाई करेंगे, प्रतीक्षा समय कम होगा और यात्रा अनुभव बेहतर होगा। यह विकास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि हावड़ा स्टेशन लाखों यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस विस्तार से भारतीय रेलवे की आधुनिकता की दिशा में प्रयासों को बल मिलेगा, जो सुरक्षा, दक्षता और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएगा। यह स्टेशन भविष्य में बढ़ती यातायात जरूरतों को पूरा करने के लिए भी अधिक सक्षम होगा।

स्वामी विवेकानंद के 129वें कोलकाता प्रत्यावर्तन दिवस पर बजबज से सियालदह के लिए विशेष ट्रेन

कोलकाता, समाज्ञा : स्वामी विवेकानंद के 129वें कोलकाता प्रत्यावर्तन दिवस के मौके पर बजबज से सियालदह तक विशेष ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह दिन स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक धर्म सम्मेलन में पश्चिमी दुनिया को भारतीय संस्कृति और धर्म का परिचय देने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। 19 फरवरी 1897 को स्वामी विवेकानंद ने मद्रास (अब चेन्नई) से एक जहाज के माध्यम से बजबज की यात्रा की थी। इस दौरान उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें नारियल पानी पीने की सलाह दी थी, जिसके कारण जहाज में कई नारियल लोड किए गए थे। स्वामी जी ने इन नारियलों को सहयात्रियों और दोस्तों में बांट दिया और यात्रा के दौरान कई प्रेरणादायक भाषण दिए, जिन्हें सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। स्वामी विवेकानंद के स्वागत के लिए कोलकाता में एक समिति का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता दरभंगा के महाराजा ने की थी। समिति ने निर्णय लिया कि स्वामी जी के बजबज पहुंचने के अगले दिन विशेष ट्रेन का आयोजन किया जाएगा, जो उन्हें सियालदह स्टेशन तक लेकर जाएगी। 19 फरवरी की सुबह स्वामी विवेकानंद अपने अनुयायियों के साथ बजबज से सियालदह के लिए रवाना हुए। सियालदह स्टेशन पर हजारों लोग उनके स्वागत के लिए मौजूद थे। जैसे ही स्वामी विवेकानंद ने ट्रेन से कदम रखा, नारे और तालियों की गूंज उठ गई। इस ऐतिहासिक दिन की याद में, हर साल बजबज से सियालदह के लिए विशेष ट्रेन चलाई जाती है। इस वर्ष भी 19 फरवरी को 11:05 बजे ईएमयू विशेष ट्रेन बजबज से सियालदह के लिए रवाना होगी। पूर्व रेलवे हर साल इस ट्रेन के माध्यम से स्वामी विवेकानंद के योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

कोलकाता के एएआई एनएससीबीआई एयरपोर्ट पर 17 जूनियर एक्जीक्यूटिव्स ने ऑन-दी-जॉब ट्रेनिंग की शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : एयरपोर्ट ऑपरेशंस सर्विसेस विभाग के 17 नए नियुक्त जूनियर एक्जीक्यूटिव्स ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, कोलकाता पर अपनी चार सप्ताह की ऑन-दी-जॉब ट्रेनिंग शुरू कर दी है। कोलकाता के एयरपोर्ट निदेशक डॉ. प्रभात रंजन बेउरिया ने नए एक्जीक्यूटिव्स का स्वागत किया और उन्हें इस प्रशिक्षण अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एयरपोर्ट संचालन को समझने और सेवा संचालन को सुचारू और प्रभावी बनाने के लिए व्यावहारिक अनुभव की महत्ता को रेखांकित किया। प्रशिक्षण की शुरुआत में एक इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में जूनियर एक्जीक्यूटिव्स ने स्वयं का परिचय दिया और कार्यक्रम के अध्ययन उद्देश्यों पर चर्चा की। यह ओजीटी उन्हें एयरपोर्ट के विभिन्न कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य में एयरपोर्ट संचालन को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए तैयार होंगे।

मेट्रो कर्मचारियों के लिए तनाव प्रबंधन शिविर का आयोजन

कोलकाता : मेट्रो रेलवे अपने लाखों यात्रियों को सुरक्षित और संरक्षित सेवा प्रदान करने के लिए हर संभव सुरक्षा उपाय कर रहा है। पी. उदय कुमार रेड्डी, महाप्रबंधक, मेट्रो रेलवे के निर्देशानुसार, मेट्रो कर्मचारियों को उचित और अद्यतन प्रशिक्षण देने के लिए नियमित रूप से मॉक ड्रिल, ट्यूटोरियल, विशेष सत्र आदि आयोजित किए जा रहे हैं। इस निरंतर प्रयास के तहत, मेट्रो प्रशासन 17 से 21 फरवरी, 2025 तक मेट्रो रेल भवन, नोआपाड़ा क्रू लॉबी और कवि सुभाष स्टेशन पर तनाव प्रबंधन शिविर आयोजित कर रहा है।

नोआपाड़ा में 38 कर्मचारी, जिनमें मुख्य रूप से मोटरमैन, मेंटेनेंस स्टाफ और पर्यवेक्षक शामिल हैं, मेट्रो रेल भवन में 38 मंत्रालयिक कर्मचारी और कवि सुभाष स्टेशन पर 40 आरपीएफ कर्मी इस तनाव प्रबंधन शिविर में भाग ले रहे हैं। अब तक मोटरमैन के लिए दो शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि

मेट्रो रेल भवन में मंत्रालयिक कर्मचारियों के लिए यह पहला शिविर है।

महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी ने मेट्रो रेल भवन में इस शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मेट्रो रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस शिविर में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के तहत रविशंकर द्वारा विकसित तकनीकों की शिक्षा दी जा रही है, जो मेट्रो कर्मचारियों के लिए तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होगी। इस दौरान कुल 116 मेट्रो कर्मचारी तनाव मुक्त रहने और अपने दैनिक जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए 'सुदर्शन क्रिया' करेंगे।

पांच दिवसीय इस शिविर में सभी प्रतिभागी अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में योग, ध्यान, सुदर्शन क्रिया आदि का अभ्यास कर रहे हैं, जिससे वे तनाव मुक्त रह सकें और किसी भी परिस्थिति का शांतिपूर्वक सामना कर सकें।

पूर्व रेलवे ने महाकुंभ मेले के तीर्थयात्रियों के लिए बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने कुंभ मेला तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इसके अलावा, हावड़ा, वर्दवान, मालदह टाउन, सियालदह, आसनसोल, कोलकाता और भागलपुर जैसे संवेदनशील स्टेशनों पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पूर्व रेलवे ने प्लेटफार्मों, फुट ओवर ब्रिजों और प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती की है, ताकि भारी भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही, व्यावसायिक और अन्य स्टेशन कर्मचारी यात्रियों की मदद कर रहे हैं और भीड़ को प्रबंधित कर रहे हैं। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को स्टेशन परिसर और प्लेटफार्मों पर अनावश्यक रूप से एकत्रित नहीं होने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। सभी प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी भी की जा रही है, ताकि प्लेटफार्म और फुट ओवर ब्रिज जैसे उच्च यात्री गति वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा सके। वरिष्ठ रेलवे अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाया जा सके।

कोलकाता की सेवा संस्था सोसायटी बेनिफिट सर्किल ने कुंभ मेले में प्राथमिक चिकित्सा शिविर का किया सफल आयोजन

कोलकाता/प्रयागराज, समाज्ञा : कोलकाता की सेवा संस्था सोसायटी बेनिफिट सर्किल ने 144 वर्षों बाद आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान प्राथमिक चिकित्सा शिविर का 37 दिन लंबा सफल आयोजन किया। इस वर्ष के कुंभ मेले को प्रशासन द्वारा 'डिजिटल महाकुंभ' के रूप में नामित किया गया था। अनुमान है कि इस मेले में लगभग 55 करोड़ श्रद्धालु गंगा, जमुना और सरस्वती के संगम स्थल पर डुबकी लगा कर पुण्य अर्जित करने पहुंचे हैं। कोलकाता से संबंधित बाबा काली कमलीवाला पंचायत क्षेत्र ने इस मेले के दौरान एक विशाल शिविर स्थापित किया, जिसमें सोसायटी बेनिफिट सर्किल ने प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। यह शिविर 10 जनवरी 2025 से 16 फरवरी 2025 तक निरंतर श्रद्धालुओं की सेवा में लगा रहा, और लाखों श्रद्धालु इस शिविर से लाभान्वित हुए। शिविर में सभी चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क प्रदान की गईं और 5 किलोमीटर के दायरे में दवा भी यहीं से वितरित की जाती रही। इस शिविर में कई विशिष्ट अतिथिगण ने आकर शिविर का निरीक्षण किया और कार्यकर्ताओं की सराहना की। बाबा काली कमलीवाला के प्रधान सचिव ताराचंदजी जालान ने पूर्ण सहयोग दिया और सेवा कार्य से प्रभावित होकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। सह सचिव अनिल नरसरिया ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। श्री राणीसती मंदिर झुंझुनू के ट्रस्टीगण विवेक रुइया और रमेश पाटोदिया एवं कानपुर के समाजसेवी उद्योगपति राजेंद्र जालान जैसे समाजसेवी ने भी शिविर का दौरा किया और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। संस्था के अध्यक्ष पवन बंसल और प्रधान सचिव आदित्य विक्रम तुलस्यान के नेतृत्व में कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल, महेश काबरा, प्रकाश सांगानेरिया, प्रदीप जालान, शिव कुमार भुवालका, अनु मिश्रा आदि ने अहम योगदान दिया। महिला मंडल की मोहिनी (मोना) बंसल, आशा अग्रवाल और एडवोकेट नम्रता सिंह ने भी शिविर की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संस्था के संरक्षक समाजसेवी सुनील चौधरी द्वारा 11 से 14 फरवरी तक लगातार भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें हजारों साधुओं और तीर्थयात्रियों ने प्रसाद ग्रहण किया। शिविर में चिकित्सक टीम के सदस्य कौशिक साहू, अंजलि प्रधान और नताशा ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनकी सराहना की गई। संस्था के अध्यक्ष पवन बंसल ने इस सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि 'सेवा परमो धर्म' और 'बसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांत के तहत संस्था पिछले 67 वर्षों से निरंतर सेवा कार्यों में संलग्न है। यह जानकारी संस्था के प्रधान सचिव आदित्य विक्रम तुलस्यान ने प्रदान की।

श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद के पदचिन्हों पर चलना हम सब का परम कर्तव्य

कोलकाता : गौड़ीय मिशन, बाग बाजार, कोलकाता की ओर से श्री चैतन्य जन्मोत्सव और मेला के तीसरे दिन सोमवार को प्रातः काल 9:00 से 12:00 तक गौड़ीय मठ के संस्थापक श्री प्रभुपाद महाराज के 150वें वर्ष के जन्मोत्सव का पालन किया गया। तदुपरांत अपराह्न बेला में 2 बजे से 4:00 बजे तक मृदंग वादन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इसके बाद, 4:00 बजे से 4:30 बजे तक जय वंदना और हरी नाम संकीर्तन का श्रद्धा भक्ति पूर्वक आयोजन हुआ। फिर 4:30 बजे से 7:00 बजे तक चैतन्य महाप्रभु की वाणी की व्याख्या, प्रभुपाद की दृष्टि में। इस विषय पर पधारे विभिन्न धर्माधिकारियों ने अपने-अपने वक्तव्य रखा। जिसमें मिशन के अध्यक्ष एवं आचार्य श्रीमद् भक्ति सुंदर सन्यासी गोस्वामी महाराज ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तदुपरांत त्रिदंडी स्वामी भक्ति सुधीर संत महाराज ने अपना वक्तव्य रखा। उनके पश्चात त्रिदण्डी स्वामी भक्ति प्रभाव महावीर गोस्वामी महाराज श्री महावीर गोस्वामी गौड़ीय मठ के संस्थापक ने अपना वक्तव्य रखा। श्रीमद् अभयानंद वन महाराज मायापुर गौर नगर के स्वामी ने अपना वक्तव्य रखा श्रीमद्भक्ति वेदांत भगवती महाराज ,भागवत महाराज आचार्य और अध्यक्ष श्री कृष्ण कृपा गौड़ीय मठ उत्तर बंगाल सिलीगुड़ी ने अपना वक्तव्य समाहूत सज्जनों के समक्ष प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि अजय राय कंपनी सेक्रेट्री थे। इसके पश्चात सायं 7:00 बजे से 8:00 तक बाउल संगीत और नाम हठ संघ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंत में मिशन के अध्यक्ष सन्यासी महाराज ने समस्त पधारे हुए भक्तों को आशीर्वाद दिया सबको प्रसाद देकर विदा किया गया।

सियालदह मंडल ने प्रयागराज जाने वाले तीर्थयात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई अहम कदम उठाए

❑ सियालदह के डीआरएम दीपक निगम ने सियालदह स्टेशन का किया गहन निरीक्षण

❑ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना से सबक लेते हुए दुर्घटना को रोकने के लिए दिए अहम दिशानिर्देश

चंदन राय

कोलकाता : नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व भीड़ के कारण शनिवार रात हुई भगदड़ की घटना से सबक लेते हुए पूर्व रेलवे अंतर्गत सियालदह मंडल ने प्रयागराज जाने वाले तीर्थयात्रियों की उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई अहम कदम उठाने का फैसला किया है। किसी भी अवांछित और घातक दुर्घटना को रोकने के लिए सियालदह के डीआरएम दीपक निगम ने सोमवार को सियालदह स्टेशन का गहन निरीक्षण किया और सभी संबंधितों को अत्यधिक सावधानी और एहतियात के साथ भारी भीड़ से निपटने के लिए जागरूक करने के साथ कई दिशानिर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने प्रयागराज जाने वाली भारी भीड़ को समायोजित करने और इससे निपटने के लिए मौजूदा व्यवस्था का गंभीरता से मूल्यांकन किया। यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने विभिन्न ऐहतियाती उपाय करने का निर्देश दिया। इसमें कुंभ जाने वाली ट्रेनों के लिए अब एक अलग समर्पित प्लेटफार्म होंगे। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए प्लेटफॉर्म नंबर में अचानक कोई विचलन या परिवर्तन नहीं होगा, एक बार सार्वजनिक संबोधन प्रणाली में इसकी घोषणा कर दी गई हो।राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली को मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के आगमन/प्रस्थान समय, प्लेटफॉर्म नंबर आदि के बारे में सटीक जानकारी दर्शाने पर उन्होंने जोर दिया।डिस्प्ले बोर्ड पर प्लेटफॉर्म पर लोगों की संख्या को ठीक से प्रदर्शित किया जाएगा। अनारक्षित टिकटों की बिक्री के विवरण की उच्चतम स्तर पर समय-समय पर निगरानी की

जाएगी, ताकि टिकटों की बिक्री में अचानक वृद्धि का आकलन किया जा सके और भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए निवारक कार्रवाई की जा सके। प्रयागराज/वाराणसी/ दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) जाने वाली लगभग सभी ट्रेनें जैसे सियालदह-अजमेर, सियालदह-आनंद विहार संपर्क क्रांति, सियालदह-बीकानेर दुरंतो, सियालदह राजधानी, सियालदह-जम्मूतवी हमसफर एक्सप्रेस आदि स्लीपर या एसी के लिए रिग्रेट दिखा रही हैं, जिसका अर्थ है कि इस महीने की 24 तारीख तक सियालदह से कुंभ तीर्थयात्रियों के लिए आरक्षित श्रेणियों में टिकट उपलब्ध नहीं हैं। उपरोक्त के मद्देनजर, डीआरएम ने सभी संबंधितों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सामान्य/अनारक्षित टिकट जारी करने में पर्याप्त सावधानी बरतने की सलाह दी है।

आरपीएफ द्वारा सीसीटीवी से चौबीसों घंटे की जाएगी निगरानी

विशेष रूप से प्रशिक्षित आरपीएफ टुकड़ियों द्वारा केंद्रीय निगरानी प्रणाली के माध्यम से सीसीटीवी में चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। प्रयागराज कि तरफ जाने वाली ट्रेनों में आरपीएफ के पर्याप्त अधिकारी और जवान तैनात किए जाएंगे, ताकि कोचों में अनुशासनपूर्वक प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए कतार को नियंत्रित किया जा सके। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सियालदह और कोलकाता स्टेशन पर अधिक बैटरी चालित गाड़ियां, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर उपलब्ध कराए जाएंगे। सियालदह में एक एम्बुलेंस तैयार रखी जाएगी, जिसमें चौबीसों घंटे डॉक्टर और प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ तैनात रहेंगे। स्टेशन प्रबंधक तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए स्टाफ की उप-लब्धता सुनिश्चित करेंगे। प्लेटफॉर्म और पूरे स्टेशन परिसर को साफ और स्वच्छ रखा जाएगा। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में आग बुझाने वाली बाल्टी और अग्निशामक यंत्र भी काम करने की स्थिति में होंगे।

परीक्षाओं से पहले छात्रों का पंजीकरण न होने पर कॉलेज ने विश्वविद्यालय के खिलाफ मामला किया दायर

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता विश्वविद्यालय के तहत कुछ कॉलेजों में इस शैक्षिक वर्ष में दाखिला लेने वाले छात्रों का पंजीकरण अभी तक पूरा नहीं हो सका है, जबकि पहले सत्र की परीक्षा कुछ ही दिनों में शुरू होने वाली है। इस स्थिति को लेकर एक कॉलेज ने विश्वविद्यालय के खिलाफ मामला दायर किया है। इस वर्ष, उच्च शिक्षा विभाग की निगरानी में केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से छात्रों का दाखिला लिया गया था, लेकिन कक्षाओं के शुरू होने के बाद कई कॉलेजों में सीटें खाली पाई गईं। इसके बाद विभाग ने कॉलेजों को और अधिक छात्रों का दाखिला लेने का निर्देश दिया। कोलकाता विश्वविद्यालय ने 27 सितंबर से 11 नवंबर तक पंजीकरण के लिए समय तय किया था, लेकिन दुर्गा पूजा की छुट्टियां आ जाने के बाद कई छात्रों का पंजीकरण नहीं हो पाया। विश्वविद्यालय ने फिर 11 और 12 दिसंबर को पंजीकरण करने का अवसर दिया, लेकिन केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से दाखिला लेने वाले छात्रों का पंजीकरण अधूरा रह गया। इस समस्या से 60-70 कॉलेज प्रभावित हुए हैं, जिनमें आचार्य जगदीशचंद्र बसु कॉलेज भी शामिल है। कॉलेज के प्राचार्य ने बार-बार विश्वविद्यालय को पत्र लिखा, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। 21 जनवरी को कॉलेज ने विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा विभाग को 'न्याय की मांग' करते हुए पत्र भेजा। इसके बाद, विभाग ने 30 जनवरी को निर्देश जारी किया, लेकिन विश्वविद्यालय ने इसे मानने से इंकार कर दिया। इसके बाद कॉलेज ने अदालत का रुख किया।

कॉलेज के प्राचार्य पूर्णचंद्र माईती ने कहा, मेरे कॉलेज में लगभग 300 छात्रों का पंजीकरण नहीं हुआ है और 20 फरवरी को परीक्षा शुरू हो रही है। पंजीकरण न होने के कारण कई छात्र कॉलेज भी नहीं आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा विभाग से कई बार अनुरोध किया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इस मामले पर विश्वविद्यालय की अंतरिम उपकुलपति शांत दत्ता दे ने कहा, चार बार पंजीकरण का अवसर दिया गया था। अब और कितनी बार अवसर दिया जाएगा? मामला अदालत में है, और न्यायाधीश जो कहेंगे, वही अंतिम होगा।

चांपदानी के एटीएम में लूट की कोशिश

हुगली : जिले में फिर एक बाद बदमाश सक्रिय होते नजर आ रहे हैं। हाल ही में मुखबिर से मिली सूचना पर पांच बदमाशों को रिसड़ा थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया। अब हुगली के चांपदानी में एटीएम लूट की कोशिश की गई। चांपदानी जी.टी. रोड के किनारे स्थित राष्ट्रीयकृत बैंक के एटीएम कियोस्क में लूट की कोशिश का मामला सामने आया है। बीती रात अज्ञात बदमाश ने कियोस्क में घुसकर एटीएम मशीन को तोड़ने की कोशिश की। ईंट से हमला कर मशीन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, लेकिन वह नकदी तक नहीं पहुंच सका। एटीएम के पास रहने वाले पशुपति महतो ने बताया कि रात करीब एक बजे ईंट फेंकने की आवाजें आ रही थीं, जिससे कुत्ते भी भौंकने लगे। स्थानीय निवासी ने जब देखा कि एटीएम के

अंदर कोई मौजूद है। आवाज देने पर बदमाश भाग खड़ा हुआ। सूचना मिलते ही चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट की डीसीपी अलकनंदा भवाल, एसीपी सुमन बनर्जी और भद्रेश्वर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बैंक अधिकारियों से बातचीत की और सीसीटीवी फुटेज संग्रह करके आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के प्राथमिक अनुमान है कि एक ही व्यक्ति ने एटीएम में आया था। वह एटीएम लूटने आया था या फिर नशे की हालत में ऐसा किया। कई बार पैसे निकालने में दिक्कत होने से भी इस तरह की घटना को अंजाम दिया जाता है। जांच के बाद सब तथ्य सामने आएंगे।

हथियारों के जखीरा के मामले में एक और गिरफ्तार

कोलकाता : महानगर कोलकाता के बिबादी बाग स्थित वैध हथियार दुकान एनसी दां एंड कंपनी से अवैध रूप से आग्नेयास्त्र बेचे जाने के मामले में एक और गिरफ्तारी हुई है। एसटीएफ ने इस मामले में रविवार रात दक्षिण 24 परगना के चंपाहाटी से शांतनु सरकार नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस तरह इस घटना में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, बंगाल एसटीएफ कर्मियों को यह जानकारी दुकान के एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार करने के बाद मिली। पुलिस ने कारतूस मामले में शनिवार रात बशीरहाट से फाहरुख मल्लिक नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से एक डबल बैरल राइफल और चार राउंड कारतूस बरामद किए गए। हथियार की जांच करने पर पता चला कि इसे भी बिबादी बाग स्थित एनसी दां एंड कंपनी से बिना लाइसेंस के खरीदा गया था। इसके तुरंत बाद जांच में शांतनु सरकार का नाम सामने आया। पता चला है कि फारुख मल्लिक ने शांतनु सरकार के माध्यम से एक वैध हथियार की दुकान से अवैध रूप से हथियार खरीदा था। इसके बाद एसटीएफ अधिकारियों ने रविवार रात को चंपाहाटी स्थित शांतनु सरकार के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि बिबादी बाग स्थित एनसी दां एंड कंपनी की दुकान काफी पुरानी है। लाल बाजार से कुछ ही दूरी पर स्थित इस दुकान से लंबे समय से अवैध रूप से हथियार और कारतूस बेचे जा रहे थे। इस घटना में गिरफ्तार किए गए छह लोगों में से तीन सत्तारूढ़ तृणमूल से जुड़े बताये जा रहे हैं।

ममता व अभिषेक की तस्वीरों वाली जाली लाटरी के टिकट छापने व बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

❑ पुलिस ने घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए की गिरफ्तारी

❑ जाली लाटरी टिकटें बेचकर लाखों रुपयों की ठगी का आरोप

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के मुखपत्र 'जागो बांग्ला के नाम से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी की तस्वीरें लगी लाटरी की टिकटें छापने व बेचकर धोखाधड़ी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित का नाम चंदन दास है। उसे कोलकाता से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के नोदाखाली थाने की पुलिस ने

चकमानिक इलाके से गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उसपर जाली लाटरी टिकटें बेचकर लाखों रुपयों की ठगी का आरोप है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि धोखाधड़ी के इस मामले में कोई प्रभावशाली व्यक्ति तो शामिल नहीं है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गत कुछ दिनों से दक्षिण 24 परगना के नोदाखली इलाके में तृणमूल के मुखपत्र के नाम और लोगो का इस्तेमाल कर लाटरी टिकट बेचे जा रहे थे। लाटरी टिकट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा था। घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए सुंदरवन जिला पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपित को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि आरोपित चंदन दास समाचार पत्र विक्रेता है। उससे पूछताछ की जा रही है।

हावड़ा पुलिस ने अपहृत राजस्थान व्यापारी को सकुशल बचाया, 3 गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के निश्चिंदा थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहरण हुए राजस्थान के कपड़ा व्यापारी को सुरक्षित रूप से बचा लिया। व्यापारी का नाम सचिन वैष्णव है। बताया जा रहा है कि सचिन वैष्णव का अपहरण कर 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। व्यापारी को व्यापार के सिलसिले में कोलकाता लाया गया था, जहां डानकुनी के एक होटल में बंद कर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। अप-हरणकर्ताओं ने व्यापारी से फिरौती की रकम की मांग की थी। इस मामले में हावड़ा सिटी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू की और निश्चिंदा थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर से व्यापारी को सकुशल मुक्त कराया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने व्यापारी को अपहरण कर फिरौती की रकम हासिल करने के लिए उसे होटल में बंद किया था। यह घटनाक्रम पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई का उदाहरण बनकर सामने आया है।

एससी में होनी थी सुनवाई, केंद्र सरकार का वकील ही नहीं पहुंचा, जज बोले... थोड़ा शिष्टाचार तो दिखाइए

नई दिल्ली/कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से विधि अधिकारी या वकील उपस्थित नहीं होने पर चिंता जताई। इसने कहा कि कोर्ट के प्रति थोड़ा शिष्टाचार दिखाएं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस आगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि मामले की सुनवाई के समय कोर्ट में कोई विधि अधिकारी मौजूद नहीं था। एक वकील ने पीठ को बताया कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक अन्य मामले पर बहस कर रहे थे, जबकि उन्हें इस मामले में कोर्ट में पेश होना था। जस्टिस गवई बोले- कुछ शिष्टाचार दिखाएं जस्टिस गवई ने कहा, 'किसी को यहां होना चाहिए। इससे कोर्ट के प्रति कोई शिष्टाचार नहीं दिख रहा है। यहां बहुत सारे विधि अधिकारी हैं। कोर्ट के प्रति कुछ शिष्टाचार दिखाएं। यह राज्य और संघ के बीच का विवाद है।' उन्होंने बताया कि केंद्र के पैनल में कई वरिष्ठ वकील भी हैं। इसके बाद पीठ ने वकील के अनुरोध पर मामले को आगे बढ़ा दिया। बाद में जब सालिसिटर जनरल किसी अन्य मामले में कोर्ट में पेश हुए तो जस्टिस गवई ने उनसे कहा, 'श्रीमान सॉलिसिटर, पश्चिम बंगाल के मामले में कोई भी मौजूद नहीं था। यह बहुत दुखद तस्वीर पेश करता है कि संघ महत्वपूर्ण मामलों में दिलचस्पी नहीं रखता है। आपके पैनल में बहुत सारे विधि अधिकारी हैं, बहुत सारे वरिष्ठ वकील हैं, मगर एक भी वकील मौजूद नहीं था।' बहरहाल, सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर पीठ ने मामले की सुनवाई को दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया। जस्टिस गवई ने हल्के अंदाज में कहा, '17 कोर्ट हैं और तुषार मेहता हर कोर्ट में मौजूद नहीं हो सकते।' गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक मूल वाद दायर किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि सीबीआई एफआईआर दर्ज किए जा रही है और अपनी जांच आगे बढ़ा रही है, जबकि राज्य ने अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में मामलों की जांच के लिए संघीय एजेंसी को दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है।

कोलकाता में आयोजित होने जा रहा है एसआई-ग्लोबल इंडिया का ग्लोबल यूनिवर्सिटी मेला

कोलकाता : एसआई-यूके द्वारा स्थापित इंटरनेशनल शिक्षा अवसरों के लीडिंग प्रोवाइडर एसआई-ग्लोबल इंडिया ने आज कोलकाता में वन डे लॉन्ग ग्लोबल यूनिवर्सिटी मेले की घोषणा की। यह मेला 18 फरवरी 2025 को सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच पार्क होटल, कोलकाता में आयोजित होगा। कोलकाता मेला एसआई-ग्लोबल इंडिया के ग्लोबल यूनिवर्सिटी मेले का एक हिस्सा है, जो 14 फरवरी से 01 मार्च 2025 तक एक महीने की अवधि में 10 अलग-अलग शहरों में आयोजित होगा। अपकमिंग मेले पर टिप्पणी करते हुए, एसआई-ग्लोबल और एसआई-यूके इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर (मिस) लक्ष्मी अय्यर ने कहा, इस साल का एसआई-ग्लोबल यूनिवर्सिटी फेयर 2025 खास है क्योंकि हमने भारतीय छात्रों को 7 अलग-अलग देशों के अकादमिक संस्थानों की जानकारी और उन तक पहुँच प्रदान करने के लिए अपनी वैश्विक पहुँच का विस्तार किया है। हर साल छात्र समुदाय से हमें मिलने वाली जबरदस्त प्रतिक्रिया के कारण, इस साल हमने 30 से ज़्यादा लीडिंग विश्वविद्यालयों को उनके लाभ के लिए एक साथ लाया है।

मिल के दो श्रमिकों के बीच मजाक करने के दौरान एक श्रमिक की मौत

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा के बाउड़िया जूट मिल में रविवार को एक दुखद घटना घटित हुई। जिसमें एक श्रमिक की मौत हो गई। मृतक का नाम साबेद मल्लिक (53) है। मिली जानकारी के अनुसार, साबेद को गैस और अंबल की समस्या थी। साबेद के साथ काम करने वाले अन्य श्रमिकों ने मजाक करते हुए इलाज के लिए एक उपाय अपनाया और उसके शरीर के पिछले हिस्से में मिल के यंत्र में हवा देने वाली पाइप के जरिए हवा भर दी। परिवार का आरोप है कि इसके बाद साबेद के पूरे शरीर में सूजन आ गई। इसके बाद मिल प्रशासन ने साबेद को तुरंत उलुबेड़िया ईएसआई अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन

हालत बिगड़ने के कारण उन्हें कोलकाता के मानिकतल्ला ईएसआई अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। हालांकि, रात को वहां उनकी मौत हो गई। बाउड़िया थाना में घटना की जानकारी दी गई है, लेकिन अब तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतक के परिवार ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बर्ड फ्लू का डर! अलीपुर चिड़ियाघर में चिकन पर प्रतिबंध

कोलकाता : बर्ड फ्लू के खतरे के चलते चिड़ियाघर के जानवरों के भोजन से चिकन को हटा दिया गया है। राज्य के सभी चिड़ियाघरों में मुर्गे के मांस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। दक्षिण भारत के दो राज्यों-आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बर्ड फ्लू तेजी से फैल रहा है। हालांकि, पश्चिम बंगाल में अभी तक इसको लेकर चिंता की कोई बात नहीं है, राज्य पशु संसाधन विभाग ने भी यही आश्वासन दिया है। लेकिन किसी भी तरह का जोखिम न लेते हुए राज्य चिड़ियाघर प्राधिकरण ने सतर्कता बढ़ा दी है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) की गाइडलाइंस के तहत, राज्य चिड़ियाघर प्रशासन ने एहतियातन कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अब चिड़ियाघरों के मांसाहारी जानवरों को चिकन की जगह बकरे,

भेड़ और सूअर का मांस दिया जा रहा है। राज्य चिड़ियाघर प्राधिकरण के सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने बर्ड फ्लू को लेकर चेतावनी भरी चिट्ठी भेजी है, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

चूंकि चिड़ियाघरों में खुद का पोल्ट्री फार्म नहीं होता, इसलिए चिकन बाहर से लाया जाता है। दक्षिण भारतीय राज्यों में बर्ड फ्लू फैलने के कारण बाजार से मुर्गे का मांस लाकर जानवरों को खिलाना जोखिम भरा हो सकता था, इसलिए इसे पूरी तरह हटा दिया गया है।

चिड़ियाघर के मांसाहारी जानवरों जैसे बाघ, शेर, तेंदुआ, लकड़बग्घा, जंगली बिल्ली, लोमड़ी, जगुआर और भालू को रोज मांस खिलाया जाता है। आमतौर पर इनके आहार में भैंस और चिकन शामिल होते हैं। कुछ पक्षी जैसे मैंडरिन डक चिकन खाती हैं, जबकि हॉर्नबिल को मांस का कीमा दिया जाता है। लेकिन बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए अब इन सभी को चिकन नहीं दिया जा रहा है।

बर्ड फ्लू मुख्य रूप से पक्षियों से फैलता है और चिड़ियाघरों में बड़ी संख्या में पक्षी होते हैं। इसलिए प्रशासन ने जानवरों की अदला-बदली को भी फिलहाल रोक दिया है। चिड़ियाघर में जानवरों की देखभाल करने वाले कर्मचारियों को भी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

अलीपुर चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने बताया कि सभी जान-वरों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और कोई भी लक्षण नजर आने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

'डिजिटल गिरफ्तारी' का भय दिखा बुजुर्ग से 10 लाख रुपये की ठगी

❑ बंगाल पुलिस ने गुजरात और तेलंगाना से चार जालसाजों को दबोचा

कोलकाता : बंगाल के बांकुड़ा जिले के एक सेवानिवृत्त केंद्रीय सरकारी कर्मचारी को 'डिजिटल गिरफ्तारी' की धमकी देकर 10 लाख रुपये ठग लिए। लेकिन जा-लसाजों को बांकुड़ा जिला पुलिस ने विभिन्न बैंक खातों के विवरण के आधार पर गुजरात और तेलंगाना में चार स्थानों पर छापेमारी कर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को गिरफ्तार जा-लसाजों को ट्रांजिट रिमांड पर बांकुड़ा लाया गया और बिष्णुपुर उपजिला न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बांकुड़ा के विष्णुपुर कस्बे के वार्ड नंबर सात के निवासी श्यामापद मंडल केंद्र सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं।

17 जनवरी को श्यामापद को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से काल आया। फोन पर दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति ने खुद को मुंबई कस्टम विभाग का अधिकारी बताया और दावा किया कि श्यामापद के नाम से विदेश से आने वाला कुछ सामान जब्त कर लिया गया है। जब्त की गई वस्तुओं में एक लैपटाप, कई दवाइयां और क्रेडिट कार्ड शामिल हैं। इसके बाद आरोप लगाया गया कि श्यामापद ने क्रेडिट कार्ड के जरिए वित्तीय भ्रष्टाचार किया। इसलिए उन्हें 'डिजिटल तरीके से' गिरफ्तार किया जा रहा है। मामला ईडी को सौंपा जा रहा है।

बुजुर्ग श्यामापद को ऐसा फोन आने पर सदमा लगा। उनमें से एक पुलिस वर्दी पहने व्यक्ति ने श्यामापद को वीडियो काल किया। उन्होंने खुद को ईडी अधिकारी बताया और फिर से डिजिटल गिरफ्तारी की बात कही। थोड़ी देर बाद उन्होंने कहा कि श्यामापद को अवसर दिया जाएगा, क्योंकि वह वरिष्ठ नागरिक हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए श्यामापद को एक विशिष्ट खाते में 10 लाख 21 हजार रुपये भेजना होगा। घबराकर बुजुर्ग व्यक्ति ने आरटीजीएस के जरिए पैसे भेज दिए। लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है। इसके बाद श्यामापद ने 19 जनवरी को बिष्णुपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

बंगाल पुलिस ने गुजरात से तीन और तेलंगाना से एक को किया गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम बनाई औ संदिग्धों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खाते के विवरण और विशेष तकनीक का उपयोग करके, जांचकर्ता यह पता लगाने में सफल रहे कि धोखाधड़ी करने वाला यह गिरोह अन्य राज्य से संचालित हो रहा है। यहां तक कि श्यामपद से लिए गए रुपये भी वे लोगों ने तुरंत कई अन्य बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया था। जांचकर्ताओं को तीन टीमों में विभाजित किया गया। दो टीमें गुजरात गईं और एक टीम तेलंगाना पहुंची। पुलिस ने दोनों राज्यों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर इस धोखाधड़ी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों के नाम गौरांग गुज्जर, पटेल साहिल, ठाकुर आनंद कुमार और सैयद यूसुफ शरीफ हैं। गौरांग का घर गुजरात के गांधीनगर में है, पटेल गुजरात के साबरकांठा जिले में रहता था और ठाकुर पाटन का निवासी है। सैयद का घर तेलंगाना के हैदराबाद जिले में है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किये गये चारों लोगों की उम्र 20 से 26 वर्ष के बीच है।

क्या वोटिंग या गुटबाजी की आशंका? राज्य सम्मेलन से पहले बिमान बोस की महत्वपूर्ण पोस्ट

कोलकाता : क्या आगामी राज्य सम्मेलन में भी सीपीएम में गुटबाजी की वजह से मतदान की नौबत आ सकती है? क्या पार्टी के भीतर चल रही कलह को लेकर बामफ्रंट चेयरमैन बिमान बोस चिंतित हैं? 27वें राज्य सम्मेलन से पहले उनकी सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और तेज कर दिया है।

सीपीएम के फेसबुक पेज पर बिमान बोस ने लिखा, डानकुनी में सम्मेलन पार्टी के नियमों और अनुशासन का पालन करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न होगा, ऐसी उम्मीद है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि मौजूदा कठिन और जटिल हालात के बीच पार्टी को नए तरीके से अपनी ताकत को व्यवस्थित करना होगा। उनकी इस पोस्ट के बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या पार्टी के भीतर का असंतोष राज्य सम्मेलन तक पहुंच सकता है? क्या यह संभावित आंतरिक टकराव को भांपकर एक अनुभवी नेता की चेतावनी है?

बिमान बोस की पोस्ट में आगे लिखा गया, तृणमूल और बीजेपी विरोधी धर्मनिरपेक्ष ताकतों के उदय के लिए वामपंथियों को गहन आत्मविश्लेषण कर सही समझ बनानी होगी। कठिन परिस्थितियों के बीच हमें नए सिरे से अपनी शक्ति का पुनर्गठन करना होगा। उनकी इस टिप्पणी के बाद पार्टी के अंदर उठ रहे असंतोष और मतभेद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

हाल के जिला सम्मेलनों में नेतृत्व परिवर्तन और जिला समितियों के गठन को लेकर मतभेद खुलकर सामने आए हैं। कई मामलों में बहस इतनी बढ़ी कि मतदान तक की नौबत आ गई, जो कम्युनिस्ट पार्टी के लिए असामान्य है। हाल ही में उत्तर 24 परगना जिला सम्मेलन में इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण देखा गया।

अब 22 फरवरी से सीपीएम का चार दिवसीय राज्य सम्मेलन डानकुनी में शुरू हो रहा है, जो 25 फरवरी को एक जनसभा के साथ समाप्त होगा। क्या इस राज्य सम्मेलन में भी पार्टी को अंदरूनी कलह और मतदान का सामना करना पड़ेगा? बामफ्रंट चेयरमैन बिमान बोस की सोशल मीडिया पोस्ट को राजनीतिक हलकों में इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि राज्य सम्मेलन से पहले पार्टी में एकता बनाए रखने और मतभेद दूर करने के लिए यह एक सावधान करने वाला संदेश है।

न्यूज इन ब्रीफ

बिहार के सिवान, आसपास के जिलों में भूकंप के हल्के झटके

पटना : बिहार के सिवान और उसके आसपास के जिलों में सोमवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा, "भूकंप से संपत्ति या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।" सिवान में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और वे इमारतों से बाहर निकल आए। आसपास के जिलों में भी लोग भूकंप से घबराकर सड़कों पर आ गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पटना कार्यालय के मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजकर दो मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र सिवान में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। सिवान के पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार ने बताया कि भूकंप के कारण अभी तक जान-माल की क्षति की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप के झटके दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में भी महसूस किए गए।

झारखंड सरकार आजीवन कारावास की सजा काट रहे 37 दोषियों को रिहा करेगी

रांची : झारखंड सरकार ने 103 मामलों की समीक्षा के बाद राज्य भर की विभिन्न जेलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 37 दोषियों को रिहा करने का सोमवार को फैसला किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में उनके आवासीय कार्यालय में हुई झारखंड राज्य दंड समीक्षा बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, झारखंड राज्य दंड समीक्षा बोर्ड की एक बैठक यहां आयोजित की गई... मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य की विभिन्न जेलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 103 कैदियों की रिहाई के संबंध में समीक्षा की गई। गहन विचार-विमर्श के बाद 37 को रिहा करने पर सहमति बनी। सोरेन ने अधिकारियों को रिहा किये गये कैदियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक और आर्थिक स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया।

हमारा अर्थशास्त्र, महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है : मुख्यमंत्री

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उनका अर्थशास्त्र महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र से आये युवा उद्यमियों से संवाद कार्यक्रम में महाकुंभ पर उंगली उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, "महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा हमारा अर्थशास्त्र बेहतर है।" उन्होंने उद्यमियों से पूछा कि अगर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा 7500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने से अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपयों की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है?" मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आयी है जिसमें उन्होंने महाकुंभ को कथित तौर पर "फालतू" करार दिया था। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने वालों की संख्या अगर 60 करोड़ तक पहुंचती है तो उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सवा तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा, "अयोध्या, प्रयागराज, काशी, चित्रकूट, गोरखपुर, नैमिषारण्य में बेहतरीन अवसंरचना है। अयोध्या में सड़क चौड़ीकरण, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम के दौरान यह लोग विरोध कर रहे थे, लेकिन जब सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से निर्णय लिया तो परिणाम सामने है। एक वर्ष में श्री राम जन्म भूमि मंदिर में 700 करोड़ का चढ़ावा आया। इन लोगों (विपक्ष) को अब यह भी बुरा लगेगा।" मुख्यमंत्री ने कहा, "हमने मान लिया था कि आस्था में ताकत नहीं है, लिहाजा दुष्परिणाम भुगतना पड़ा। गुलामी के कालखंड में यह बात मन में डाली गई कि भारतीय को कमतर करके आंकों, उसे महत्वहीन कर दो।

मोदी जी ने बिना टिकट रेल यात्रा की अनुमति दी है: प्रयागराज जा रही महिलाओं ने कहा

पटना : बिहार में रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी उस समय हैरान रह गए जब ग्रामीण महिलाओं के एक समूह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उन्हें बिना टिकट यात्रा करने की अनुमति दी है। उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे बिहार के बक्सर रेलवे स्टेशन पर दानापुर के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) जयंत कुमार और प्रयागराज महाकुंभ के लिए जा रहे तीर्थयात्रियों के बीच हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। डीआरएम रविवार को महाकुंभ जाने वाले तीर्थयात्रियों की अपेक्षाकृत अधिक भीड़ के मद्देनजर स्टेशन का निरीक्षण कर रहे थे। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की वजह अपेक्षाकृत अधिक भीड़ को ही बताया जा रहा है। शनिवार रात नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक के पास खड़ी विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के एक समूह को देखकर अधिकारी ने उनसे पूछा कि वे यहां क्या कर रही हैं? उन्होंने बताया कि वे प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ना चाहती हैं। डीआरएम ने पूछा, "क्या आपके पास टिकट है?" इसके जवाब महिलाओं ने कहा, "नहीं"। डीआरएम ने सवाल करते हुए कहा, "आपको किसने बताया कि आप बिना टिकट के यात्रा कर सकती हैं!" महिलाओं ने तुरंत जवाब दिया कि "नरेन्द्र मोदी जी ने हमें ऐसा कहा।" इसके बाद वहां खड़े लोग मुस्कुराने लगे।

बिना वैध टिकट वाले यात्रियों को रेलवे स्टेशन में प्रवेश की इजाजत नहीं दी जाएगी

प्रयागराज में महाकुंभ मेले के कारण बिहार के ज्यादातर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सोमवार को घोषणा की कि वह (रेलवे स्टेशन में) उन लोगों के प्रवेश पर रोक लगा रहा है, जिनके पास वैध यात्रा टिकट नहीं हैं। पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ईसीआर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले रेलवे स्टेशन पर भीड़ के उचित प्रबंधन के लिए रेलवे ने पर्याप्त इंतजाम किए हैं। रेलवे महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है और अपेक्षित भीड़ को प्रबंधित करने के वास्ते विस्तृत व्यवस्था की गई है।

महाकुंभ में श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में लगी आग

महाकुंभ नगर (उप्र) : महाकुंभ में सोमवार को श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविरों में आग लग गई जिस पर दमकलकर्मियों ने त्वरित काबू पा लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह श्री कपि मानस मंडल शिविर के दो तंबू में अचानक आग लग गई जिसके बारे में सूचना मिलते ही अग्निशमन दल तुरंत मौके पर पहुंच गया और उस पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि इसी तरह, सोमवार अपराह्न सेक्टर-आठ में उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में भी आग लग गई जिस पर तत्काल काबू पा लिया गया।

महाकुंभ पहुंचे काशी तमिल संगमम के प्रतिनिधि, संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर (उप्र) : प्रयागराज महाकुंभ में सोमवार को उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृतियों का संगम देखने को मिला। काशी तमिल संगमम के प्रतिनिधियों का सोमवार को यहां आगमन हुआ और 200 प्रतिनिधियों ने संगम में डुबकी लगाई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्राचीन भारत में शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्रों वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने के क्रम में आयोजित काशी तमिल संगमम 3.0 का पहला दल सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ पहुंचा। दक्षिण भारतीय अतिथियों के प्रथम दल का मेला एवं जिला प्रशासन ने भव्य स्वागत किया। महाकुंभ नगर के सेक्टर-22 स्थित कुंभ ट्रिट टेंट सिटी में उनका शानदार स्वागत किया गया। अतिथियों ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और पूजा अर्चना की।

आजमगढ़ में डिवाइडर से टकरायी कार, तीन नेपाली नागरिकों की मौत, पांच घायल

आजमगढ़ (उप्र) : उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के रानी का सराय क्षेत्र में सोमवार सुबह आजमगढ़-वाराणसी राजमार्ग पर महाकुंभ से वापस आ रहे श्रद्धालुओं की एक कार डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि दुर्घटना के शिकार लोग नेपाल के रूपम देही जिले के देवदार नगर के निवासी हैं, जो 15 फरवरी को नेपाल से कार के जरिये प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने गए थे। आज सुबह वे वापस लौट रहे थे तभी रानी की सराय थाना क्षेत्र के मझगांव गांव के पास उनकी कार एक डिवाइडर से टकरा गयी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में दीपा (35), उसके पति गणेश (45) और गंगा (40) नामक लोगों की मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि हादसे में पांच अन्य लोग भी घायल हो गये। उन्हें गोरखपुर चिकित्सालय रेफर किया गया है।

मेरठ के योग गुरु ने दांतों से 125 किलो वजन उठाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

मेरठ (उप्र) : मेरठ के करनावल कस्बे के योग गुरु विकास स्वामी ने दावा किया कि उन्होंने अपने दो बेटों अनमोल स्वामी (16) और आदित्य स्वामी (10) के साथ इटली के मिलान में आयोजित 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' प्रतियोगिता में अपने दांतों से 125 किलोग्राम वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया है। स्वामी ने कहा कि उन्हें आयोजकों द्वारा ही प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह केवल उनकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि हमारे क्षेत्र और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। स्वामी की उपलब्धि की खबर फैलते ही उनके गांव में जश्न का माहौल है। हालांकि, रविवार को घर लौटने पर विकास स्वामी ने सरकार और निर्वाचित प्रतिनिधियों से सहर-ना न मिलने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "सरकार ने अभी तक हमें कोई सहायता नहीं दी है। अन्य खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार और सरकारी नौकरी भी मिलती है, लेकिन हमें एक पैसा भी नहीं मिला। मंत्रियों की बात तो दूर, सांसदों और विधायकों ने भी हमारी उपलब्धि को नहीं सराहा।

सर्वदलीय बैठक में आदित्यनाथ ने बजट सत्र को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग का आग्रह किया

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्षी दलों के नेताओं से आगामी बजट सत्र के दौरान सदन में जनहित के मुद्दे उठाने और विधानसभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में मदद करने का आग्रह किया। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार से शुरू हो रहे बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। सदन के नेता आदित्यनाथ ने बैठक में नेताओं से आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि सदन के कामकाज में कोई बाधा न आए और वे जनहित से जुड़े हर मुद्दे को उठाएं। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दे उठाने और सदन को सुचारू रूप से चलाने से विकास में तेजी आएगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सभी सदस्यों से सत्र के सुचारू संचालन के लिए सहयोग करने की अपील की।

विपक्ष को 'पच' नहीं रहा है महाकुंभ : उत्तर प्रदेश के मंत्री

बलिया (उप्र) : उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने प्रयागराज महाकुंभ को लेकर विपक्षी दलों के बयानों का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि विपक्ष को दुनिया का यह सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन "पच" नहीं रहा है इसीलिए वह इसमें सिर्फ कमी ही ढूंढ़ रहा है। परिवहन मंत्री सिंह ने सोमवार को बलिया में एक सरकारी कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा महाकुंभ में कथित अव्यवस्था को लेकर दिये जा रहे बयानों के बारे में पूछे जाने पर यादव के पैतृक गांव सैफई के विकास कार्यों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "सैफई में हवाई अड्डा बनाने की क्या जरूरत थी? आप जाकर उनसे पूछिये कि क्या वहां कोई जहाज उतरता है?" सिंह ने कहा, "महाकुंभ के बारे में ऐसे लोग गलत बातें कर रहे हैं जो खुद सैफई महोत्सव कराते थे, मुंबई के कलाकारों को बुलाकर वहां नृत्य कराते थे।"

समीक्षा

धर्म-अध्यात्म

व्रत - त्यौहार

21.02.2025 : सीताष्टमी व्रत
23.02.2025 : स्वामी दवानंद सरस्वती जयंती
24.02.2025 : विजया एकादशी व्रत

कब है प्रयागराज महाकुंभ का आखिरी स्नान? जानिए इसका महत्व

महाकुंभ का विशाल धार्मिक आयोजन 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा के शुभ दिन से आरंभ हुआ था, जिसका समापन 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के दिन होगा। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम में स्नान करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुंभ में माघ मास के दौरान स्नान करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और व्यक्ति को मोक्ष प्राप्त होता है। यह भी कहा जाता है कि महाकुंभ में विधिपूर्वक स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

महाकुंभ 2025 के प्रमुख स्नान पर्व

13 जनवरी 2025 से आयोजित महाकुंभ मेले में संगम स्नान के लिए कुछ विशेष तिथियों को अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दौरान 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा के दिन पहला स्नान था। इसके बाद 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के अवसर पर पहला अमृत स्नान किया गया, जबकि 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या पर करोड़ों लोगों ने दूसरे अमृत स्नान पर आस्था की डुबकी लगाई।

इसके बाद 3 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी पर तीसरा अमृत स्नान किया गया। 12 फरवरी 2025 को माघ पूर्णिमा पांचवां महत्वपूर्ण स्नान था। अब महाकुंभ 2025 का आखिरी महत्वपूर्ण स्नान 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के अवसर पर है, जिसके साथ महाकुंभ 2025 समापन हो जाएगा।

महाकुंभ में अमृत स्नान का महत्व

महाकुंभ में अमृत स्नान का विशेष महत्व होता है, जिसमें अखाड़ों के सन्यासी, महंत और नागा साधु अपने अनुयायियों के साथ विशेष अनुष्ठानों के तहत स्नान करते हैं। 2025 के कुंभ में तीसरा और अंतिम शाही स्नान बसंत पंचमी (3 फरवरी 2025) के दिन था। महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि एक दिव्य आध्यात्मिक अनुभव होता है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु, साधु-संत और ऋषि एकत्र होकर आध्यात्मिक साधना, ध्यान और भक्ति में लीन होते हैं। यह आयोजन भारतीय संस्कृति, धर्म और परंपराओं का जीवंत प्रमाण है, जिसमें आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति की भावना प्रबल होती है।

होली पर लगेगा साल का पहला चंद्र ग्रहण, जानें क्या करें और क्या न करें

हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि की रात को होलिका दहन किया जाता है, जिसके अगले दिन होली खेलते हैं। इस बार 13 मार्च को होलिका दहन है और इसके अगले दिन यानी 14 मार्च 2025 को रंगों की होली मनाई जाएगी। परंतु इस वर्ष होली पर चंद्र ग्रहण का साया बना हुआ है। बता दें 14 मार्च 2025 को सुबह 9 बजकर 29 मिनट से चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, जो दोपहर 3: 29 मिनट तक रहेगा। परंतु भारत में यह चंद्र ग्रहण नहीं नजर आएगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। लेकिन ज्योतिषियों की मानें तो ग्रहण के दौरान चंद्रमा कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में बिराजमान रहेंगे। इस दौरान कन्या राशि में पहले से ही केतु रहेंगे, जिससे दो ग्रहों की युति होगी। माना जा रहा है कि इस युति से 'ग्रहण योग' बन रहा है, इसलिए इस अवधि में कुछ कार्यों को करने से बचना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं कि ग्रहण के दौरान क्या करें और क्या न करें।

ग्रहण के दौरान क्या न करें

- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण की अवधि में रसोई का कोई भी काम नहीं करना चाहिए, यह अशुभ हो सकता है।
- इस दौरान सुई से जुड़ा कोई भी कार्य करने की भूल न करें।
- ग्रहण में कुछ भी छीलना या काटना नहीं चाहिए।
- गर्भवती महिलाओं को ग्रहण में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। इस दौरान भूलकर भी किसी भी काम को न करें।
- ग्रहण में भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए।
- ग्रहण लगने पर घर से बाहर नहीं जाना चाहिए। ऐसा करना उचित नहीं है।
- जब भी ग्रहण लगता है, तो मंदिर को नहीं छूना चाहिए।
- इस दौरान नुकीली चीजों का उपयोग न करें।
- ग्रहण के दौरान सोना नहीं चाहिए। इससे सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
- चंद्र ग्रहण के दौरान पूजा-पाठ नहीं करनी चाहिए।
- इस दौरान देवी-देवताओं की मूर्ति का स्पर्श भी न करें।

ग्रहण के दौरान क्या करें

- माना जाता है कि ग्रहण के दौरान भगवान विष्णु के नाम का मंत्र का जाप करना चाहिए।
- इस दौरान भोलेनाथ के महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी करें।
- ग्रहण के दौरान ध्यान करना चाहिए।
- ग्रहण के दौरान घर में शांत माहौल रहना चाहिए।

महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ को चढ़ाना चाहते हैं बेलपत्र, जानें सही नियम

महाशिवरात्रि का दिन महादेव की पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जो व्यक्ति सच्चे मन से भोलेनाथ की आराधना करता है, उसकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष यह तिथि 26 फरवरी, 2025, बुधवार को है। इस विशेष दिन पर लोग भगवान शिव की पूजा के लिए शिवलिंग पर फल, फूल, बेलपत्र आदि अर्पित करते हैं। बेलपत्र का पूजा में विशेष धार्मिक महत्व है। इसलिए, बेलपत्र अर्पित करते समय सही विधि का पालन करना आवश्यक है, अन्यथा पूजा अधूरी मानी जा सकती है। आइए, बेलपत्र चढ़ाने की सही विधि के बारे में जानते हैं।

बेल पत्र के लाभ

बेल के पेड़ को सभी सिद्धियों का निवास स्थान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि बेल के पेड़ के नीचे बैठकर किसी स्तोत्र का पाठ किया जाए, तो उसका फल अनंत गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, भगवान शिव को बेल पत्र अर्पित करने से हमारे सभी कष्ट समाप्त हो जाते हैं और भगवान शिव हमेशा अपनी कृपा हम पर बनाए रखते हैं।

बेल पत्र कब नहीं तोड़ना चाहिए?

शिवपुराण के अनुसार, कुछ विशेष दिनों में बेल पत्र तोड़ना निषिद्ध है। इनमें चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या, संक्रांति और सोमवार शामिल हैं। यदि आपने पहले से बेल पत्र का उपयोग किया है, तो उसे धोकर पुनः चढ़ाना संभव है।

बेल पत्र कैसा होना चाहिए?

बेल पत्र हमेशा तीन पत्तों वाला होना चाहिए। तीन से कम पत्तों वाला बेल पत्र पूजा में नहीं उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा, बेल पत्र का डंठल पहले से तोड़ लेना चाहिए, क्योंकि जितना छोटा डंठल होगा, उतना ही शुभ माना जाता है। बेल पत्र को हमेशा विषम संख्या में अर्पित करें, जैसे 3, 7, 11, या 21।

बेल पत्र अर्पित करने का सही तरीका

जब आप बेल पत्र भगवान शिव को अर्पित करें, तो ध्यान रखें कि उसका चिकना हिस्सा नीचे की ओर हो। इसके बाद ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। आप इस मंत्र का भी जाप कर सकते हैं: त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रियायुधम्। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम्।

कौन-सी बेल पत्र न चढ़ाएं

यह सुनिश्चित करें कि आप शिवलिंग पर कभी भी गंदे, दाग-धब्बेदार या कटी-फटी बेल पत्र न चढ़ाएं। ऐसा करने से भगवान शिव नाराज हो सकते हैं।

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने वक्त इस बात का रखें ध्यान

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाते समय कुछ बातों का ध्यान रखें। सबसे पहले, बेलपत्र को अच्छे से धो लें। फिर, चंदन या केसर में गंगाजल मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें और पत्तियों पर ॐ लिखें। यदि चाहें, तो आप बिना लिखे भी इसे चढ़ा सकते हैं।

स्टेशन पर 'रोक क्षेत्र', भीड़ प्रबंधन नियम

वैष्णव ने अप्रिय घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाए

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि रेलवे अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए जो उपाय कर रहा है, उनमें यात्रियों की अधिक भीड़ का सामना करने वाले 60 स्टेशन पर 'रोक' क्षेत्र बनाना, एक अलग भीड़ प्रबंधन नियमावली तैयार करना और लोगों को सीढ़ियों पर न बैठने के लिए जागरूक करना शामिल है। ये उपाय नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बीते शनिवार हुई भगदड़ की घटना के मद्देनजर किए जा रहे हैं, जिसमें 18 यात्रियों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। यहां रेल भवन में संवाददाताओं से मुखातिब वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने ऐसे 60 स्टेशन की पहचान की है, जहां आमतौर पर यात्रियों की अधिक भीड़ देखने को मिलती है। उन्होंने बताया कि इन स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए स्थायी या अस्थायी 'रोक' क्षेत्र बनाने का फैसला किया गया है। रेल मंत्री ने कहा, यात्रियों के प्रवाह को प्रबंधित करने के लिए 'रोक' क्षेत्र बनाने के वास्ते नयी दिल्ली, पटना, सूरत, बेंगलुरु, कोयंबटूर सहित 60 स्टेशन को चिन्हित किया गया है।

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद सुरक्षा कड़ी, फुटओवर ब्रिज पर बेवजह खड़े होने पर रोक

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुई भगदड़ की घटना के बाद स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बिना किसी वैध कारण के किसी भी व्यक्ति के फुट ओवरब्रिज पर घूमने पर रोक लगाई गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने कई लोगों को बिना किसी कारण के फुट ओवरब्रिज पर खड़े देखा है, जिससे दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों को देरी होती है। अब किसी को भी बिना किसी वैध कारण के फुट ओवरब्रिज पर खड़े होने की इजाजत नहीं दी जाएगी।''

वैष्णव ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के पीछे साजिश की बात से इनकार किया

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के पीछे किसी साजिश की बात से सोमवार को इनकार किया और कहा कि घटना के समय स्टेशन के दो प्लेटफॉर्म पर बहुत असामान्य भीड़ नहीं थी। उन्होंने यहां रेल भवन में मीडियाकर्मियों से कहा, ''इस समय तो कोई साजिश नजर नहीं आती।'' वैष्णव ने यह भी कहा कि अब तक उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि शनिवार को भगदड़ मचने के समय नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बहुत ज्यादा भीड़ नहीं थी। उन्होंने प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा को भगदड़ की वजह होने से इनकार करते हुए कहा, ''जांच समिति इस पर गहराई से पड़ताल कर रही है।''

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद पांच लोग अभी उपचाराधीन

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पिछले सप्ताह हुई भगदड़ में घायल हुए पांच लोगों का अभी यहां के अस्पतालों में इलाज जारी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पंद्रह घायलों में से 13 को लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल में तथा दो को अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश को छुट्टी दे दी गई है, वहीं एलएनजेपी में चार मरीज अभी हैं (दो ऑर्थोपेडिक विभाग में और एक कान, नाक और गला (ईएनटी) विभाग में)।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव': संसदीय समिति के समक्ष विचार साझा करेंगे पूर्व प्रधान न्यायाधीश ललित

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय के पूर्व प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित 25 फरवरी को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी संसदीय समिति के सामने उपस्थित होकर अपने विचार साझा करेंगे। समिति विशेषज्ञों और विभिन्न हितधारकों से परामर्श की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। सूत्रों ने बताया कि विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी, लोकपाल के न्यायिक सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता और 2015 में एक संसदीय समिति का नेतृत्व करने वाले पूर्व कांग्रेस सांसद ईएम सुदर्शन नचियप्पन, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली समिति के सचिव आईएएस अधिकारी नितेन चंद्र के भी समिति के साथ अपने विचार साझा करने की संभावना है। आगामी 25 फरवरी की बैठक के लिए संसदीय समिति के एजेंडे को संक्षेप में ''कानूनी विशेषज्ञों के साथ बातचीत'' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर मोदी सरकार द्वारा पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था और इसने अपनी विशाल रिपोर्ट में इस अवधारणा की जोरदार पैरवी की है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। सरकार ने लोकसभा में दो विधेयक पेश किए, जिनमें संविधान में संशोधन का प्रावधान शामिल है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा सांसद और पूर्व कानून राज्य मंत्री पीपी चौधरी की अध्यक्षता में संसद की 39 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया था। इस संसदीय समिति की अब तक दो बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें उसने अपने एजेंडे का विस्तृत विवरण, हितधारकों और विशेषज्ञों की सूची तैयार की है।

न्यूज इन ब्रीफ

सीधी जिले में महाकुंभ जा रही एसयूवी के पलटने से चार लोगों की मौत

सीधी (मप्र) : मध्य प्रदेश से महाकुंभ के लिए प्रयागराज जा रहे एक वाहन (एसयूवी) के रविवार रात सीधी जिले में पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) रवींद्र वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह दुर्घटना अमहिया थाना क्षेत्र में देर रात करीब दो बजे उस समय हुई जब सिंगरौली जिले के बैढ़न से एसयूवी प्रयागराज की ओर जा रही थी। एसपी ने बताया कि तीर्थयात्रियों को ले जा रहा वाहन मुधा पहाड़ पार करते समय पलट गया और हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि चार अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि चालक ने मोड़ते समय वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

तमिलनाडु में 5800 करोड़ रुपये के अवैध रेत खनन की सीबीआई जांच का आदेश

चेन्नई : मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को तमिलनाडु के तटीय जिलों तिरुनेलवेली, तूतोकोरिन और कन्याकुमारी में निजी खनन कंपनियों द्वारा 5,832 करोड़ रुपये का कथित अवैध रेत खनन किए जाने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। इसने एजेंसी को मामले में अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का भी निर्देश दिया और कहा कि मामले में राजनीतिक सांठगांठ से इनकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम जोतिरमन की खंडपीठ ने केंद्रीय एजेंसी से आपराधिक मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने को कहा। पीठ ने एक स्वत: संज्ञान जनहित याचिका, वी.वी. मिनरल्स और 29 अन्य की याचिकाओं पर आदेश पारित किया। उसने कहा कि यह अदालत इस मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए उपयुक्त मामला मानती है और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आपराधिक मामले दर्ज करने तथा जांच शुरू करने का निर्देश दिया जाता है।

लालू के खिलाफ मामले में अदालत आरोपपत्र पर संज्ञान लेने पर 21 फरवरी को करेगी विचार

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत 21 फरवरी को इस बात पर विचार कर सकती है कि पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद से जुड़े कथित 'नौकरी के लिए जमीन' घोटाले से संबंधित मामले में आरोप-पत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने को सोमवार को मामले पर फैसला सुनाना था। उन्होंने अदालत द्वारा पहले मांगे गए कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण देने के लिए सीबीआई के समय मांगे जाने के बाद मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायाधीश ने 30 जनवरी को आरोप-पत्र में दर्ज आरोपों में समानता और विशिष्टता के तत्वों के संबंध में सीबीआई से कुछ सवाल पूछे थे। न्यायाधीश ने सीबीआई द्वारा यह बताए जाने के बाद सवाल उठाए थे कि उन्हें लोक सेवक आर के महाजन पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से अपेक्षित मंजूरी मिल गई है।

ईडी ने कफ सिरप से जुड़े मादक पदार्थ के मामले में कई राज्यों में छापेमारी की, दो आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हाल ही में की गई छापेमारी के दौरान उसने उन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो 'स्वापक नियंत्रण ब्यूरो' (एनसीबी) द्वारा दर्ज किए गए मादक पदार्थ के एक मामले में वांछित थे। छापेमारी के दौरान दो करोड़ रुपये की नकदी और आभूषण भी बरामद किए गए हैं। ईडी ने ''कोडीन-आधारित कफ सिरप (सीबीसीएस) की बिक्री और इससे अवैध तौर पर अर्जित आय में कथित तौर पर संलिप्त रईस अहमद भट और अन्य से संबंधित मामले में जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में 13 फरवरी को छापेमारी की थी। एनसीबी द्वारा 'सीबीसीएस' की तस्करी के एक मामले में दर्ज की गई शिकायत के बाद ईडी इस मामले में धनशोधन की जांच कर रही है। नशीली दवाओं के आदि 'सीबीसीएस' का व्यापक रूप से इस्तेमाल करते हैं। खांसी की दवाई का ब्रांड कोकरेक्स हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में इसके निर्माता विदित हेल्थकेयर से ''अनधिकृत रूप से'' खरीदा गया था और इसका प्रबंध साझेदार हरियाणा के पानीपत निवासी नीरज भाटिया है। ईडी ने बयान में आरोप लगाया, ''सिरप को उचित स्थान पर नहीं भेजा गया और फरीदाबाद स्थित एस. एस. इंडस्ट्रीज (मालिक सुमेश सरीन) और 'एन.के. फार्मास्यूटिकल्स', 'कंसल फार्मास्यूटिकल्स', 'कंसल इंडस्ट्रीज' और अन्य के माध्यम से इसे बेच दिया गया।

सरकार जांच कर सकती है, लेकिन हम असलियत जानते हैं: पत्नी के आईएसआई से संबंध के आरोप पर गोगोई

गुवाहाटी : कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को कहा कि असम सरकार उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ कथित संबंधों के मुद्दे पर कोई भी जांच करा सकती है, लेकिन वह और उनकी पार्टी जानती है कि असलियत क्या है। गोगोई ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने इस संबंध में भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए एआईसीसी के साथ चर्चा की है और जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ ही भाजपा लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गो-गोई पर उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के आईएसआई के साथ कथित संबंधों को लेकर हमलावर है। इस बीच, मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि असम के पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने भारत के आंतरिक मामलों पर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी के लिए पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ मामले की जांच के लिए सोमवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। गोगोई की पत्नी कोलबर्न के कथित आईएसआई संबंधों को लेकर विवाद के बीच सीआईडी द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद एसआईटी का गठन किया गया है।

न्यूज अपडेट

बादशाह ने अपने संगीत कार्यक्रम में कहा-समय रैना को छोड़ दो, सोशल मीडिया पर हुए ट्रोल

नयी दिल्ली : रैपर बादशाह को उनके हालिया संगीत कार्यक्रम में कॉमेडियन समय रैना का समर्थन किए जाने पर सोशल मीडिया पर ट्रॉलिंग का सामना करना पड़ा रहा है। समय रैना तब मुश्किलों में फंस गए जब यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने उनके शो ''इंडियाज गॉट लेटेंट'' पर माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। इस घटना के बाद बहुत हंगामा हुआ और दोनों एवं शो से जुड़े लोगों के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई गईं। रैना ने बाद में अपने 'यूट्यूब अकाउंट' से शो के सारे वीडियो हटा दिए थे। गुजरात के वडोदरा में एक विश्वविद्यालय में हाल ही में दी गई प्रस्तुति के दौरान बादशाह ने रैना के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और कार्यक्रम के अंत में उन्होंने ''फ्री समय रैना'' का नारा लगाया। बादशाह का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद कई उपयोगकर्ताओं ने रैपर की आलोचना की। बादशाह एक अतिथि के तौर पर समय के शो में आये थे। सोशल मीडिया के एक उपयोगकर्ता ने बादशाह के वीडियो पर टिप्पणी की, ''चुप रहो।'' एक अन्य ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''उन लोगों को मुक्त करो...और माता-पिता को यौन संबंध बनाते हुए देखो, भारत समर्थन कर रहा है...घाटिया लोगों का।'' एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा, ''उन्होंने आज केआईटी विश्वविद्यालय में भी यही कहा। सलाम है इस व्यक्ति को।''

शहजादी के मामले पर लगातार नजर रख रहा भारतीय दूतावास

नयी दिल्ली : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में विभिन्न आरोपों के तहत जेल में बंद भारतीय नागरिक शहजादी को 24 घंटे के भीतर फांसी दिये जाने संबंधी खबरें गलत हैं, और दूतावास मामले पर लगातार नजर बनाये हुए है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, शहजादी के मामले में 'समीक्षा याचिका' दायर की गई है और मामला विचाराधीन है। शहजादी उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की रहने वाली है। सितंबर 2024 की शुरुआत में शहजादी के पिता शब्बीर ने बांदा में कहा था कि उनकी बेटी लंबे समय से यूएई की जेल में है और उसने उन्हें फोन करके बताया था कि उसे 20 सितंबर के बाद कभी भी फांसी दी जा सकती है। शब्बीर ने यह भी कहा था कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ई-मेल भेजकर अपनी बेटी की जान बचाने का अनुरोध किया है। इससे पहले दिन में कुछ खबरों में बताया गया था कि शहजादी को '24 घंटे के भीतर फांसी दी जा सकती है'। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इस तरह की खबरें, सरासर 'गलत' है, जिसमें कहा गया है कि 'शहजादी को 24 घंटे के भीतर फांसी दे दी जाएगी।' सूत्रों के मुताबिक, भारतीय दूतावास ने यूएई अधिकारियों से इसकी 'पुष्टि' की है। सूत्रों ने बताया, ''उसके (शहजादी के) मामले में एक समीक्षा याचिका दायर की गई है और मामला विचाराधीन है।'' सूत्रों ने बताया कि दूतावास मामले पर नजर बनाये हुए है।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा, बीएसएफ के साथ बातचीत आज से शुरू होगी

नयी दिल्ली : बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए सोमवार को नयी दिल्ली पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्ष भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने और बांग्लादेश के अराजक तत्वों द्वारा बीएसएफ जवानों एवं भारतीय नागरिकों पर हमले जैसे मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बीजीबी बांग्लादेश की सीमा की सुरक्षा का जिम्मा संभालता है। अधिकारियों के मुताबिक, बीएसएफ और बीजीबी के बीच 55वां महानिदेशक स्तरीय सीमा समन्वय सम्मेलन 17 से 20 फरवरी के बीच लोधी रोड स्थित बीएसएफ मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों बलों के बीच द्विपक्षीय वार्ता मंगलवार को होगी। अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल विमान से भारत पहुंचा और इसमें शामिल सदस्य 20 फरवरी तक यहां रहेंगे। उन्होंने बताया कि द्विवार्षिक वार्ता में हिस्सा लेने के अलावा वे केंद्रीय गृह मंत्रालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात भी कर सकते हैं। यह वार्ता पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद बीएसएफ और बीजीबी के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक होगी।

चीन पर बयान देकर घिरे सैम पित्रोदा, कांग्रेस ने भी किया किनारा

* जयराम रमेश बोले- ये पार्टी के विचार नहीं

नई दिल्ली : कांग्रेस ने सोमवार को चीन पर ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि ये पार्टी के विचार नहीं हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, 'सैम पित्रोदा द्वारा कथित तौर पर चीन पर व्यक्त किए गए विचार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं।'कांग्रेस की तरफ से यह स्पष्टीकरण सैम पित्रोदा के उस बयान पर आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि 'मैं चीन से खतरे को नहीं समझ पा रहा हूं। मुझे लगता है कि इस मुद्दे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, क्योंकि अमेरिका में दुश्मन को परिभाषित करने की प्रवृत्ति है।'

'ये कांग्रेस के विचार नहीं'

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'सैम पित्रोदा द्वारा चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं। चीन हमारी विदेश नीति, बाह्य सुरक्षा, और आर्थिक क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाए हैं, जिसमें 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से चीन की दी गई क्लीन चिट भी शामिल है।'उन्होंने कहा, 'चीन पर हमारा सबसे हालिया बयान 28 जनवरी 2025 को जारी किया गया था। यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद को इस स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकालने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।'

चीन पर क्या बोले सैम पित्रोदा

सैम पित्रोदा ने कहा, 'मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि सभी देश आपस में सहयोग करें, टकराव नहीं। हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही टकराव वाला रहा है और इस रवैये से दुश्मन पैदा होते हैं जो बदले में देश के अंदर समर्थन जुटाते हैं। हमें इस पैटर्न को बदलने की जरूरत है और यह मानना बंद करना होगा कि चीन पहले दिन से ही दुश्मन है।'

उन्होंने कहा, 'यह न केवल चीन के लिए बल्कि सभी के लिए अनुचित है। अब वक्त आ गया है कि हम बातचीत बढ़ाना सीखें। सहयोग करें, सहकारिता करें और सह-निर्माण करें, सिर्फ आदेश और नियंत्रण ही नहीं।'

भाजपा ने साधा कांग्रेस पर निशाना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के एक कथित बयान का हवाला देते हुए सोमवार को प्रमुख विपक्षी दल पर निशाना साधा और दावा किया कि उनकी यह टिप्पणी चीन के समर्थन में दिए गए उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं के बयानों के अनुरूप है।

'इंडिया' का नाम बदलकर भारत करने की याचिका पर पक्ष रखने के लिए उच्च न्यायालय ने केंद्र को समय दिया

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र के वकील को संविधान में संशोधन करने और 'इंडिया' शब्द की जगह 'भारत' या 'हिंदुस्तान' करने के लिए सरकार को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया है। यह याचिका 4 फरवरी को न्यायमूर्ति सचिन दत्ता के समक्ष सुनवाई के लिए आई थी और अदालत ने इसे 12 मार्च को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था। अदालत ने कहा, शुरुआत में, अग्रिम सूचना पर उपस्थित हुए प्रतिवादी संख्या एक और चार (केंद्र) के वकील ने निर्देश प्राप्त करने के लिए कुछ समय मांगा है।

ओडिशा में पांच साल में 36,420 महिलाएं और 8,403 बच्चे लापता हुए: माझी

भुवनेश्वर : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा को बताया कि पिछले पांच वर्षों में ओडिशा में कुल 36,420 महिलाएं और 8,403 बच्चे लापता हुए हैं। माझी ने कहा कि बिचौलियों के माध्यम से 421 महिलाओं की तस्करी अन्य राज्यों में की गई, जिसमें 453 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने सदन में एक लिखित उत्तर में बताया कि पुलिस शिकायतों के आधार पर तुरंत मामले दर्ज कर रही है तथा तस्करी की गई महिलाओं का पता लगाने के लिए कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2020-2024 के दौरान लापता हुई 1,417 महिलाओं और 1,857 बच्चों का पता लगाया गया। इसके अलावा राज्य सरकार ने 784 बाल मजदूरों को भी बचाया है। ओडिशा में महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताते हुए माझी ने कहा कि 36 एकीकृत मानव तस्करी विरोधी इकाइयां (आईएएचटीयू) बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि बोलांगीर, नुआपाड़ा, बारगढ़, कालाहांडी, संबलपुर और झारसुगुड़ा में ऐसे मामलों से निपटने के लिए आईएएचटीयू को संपर्क बिंदु बनाया गया है।

यमुना में सीवेज का प्रवाह दो साल में रोक दिया जाएगा, दिसंबर 2027 तक नदी साफ हो जाएगी: अधिकारी

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार अगले दो वर्षों में यमुना में सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों के प्रवाह को पूरी तरह से रोकने और दिसंबर 2027 तक नदी को साफ करने के लिए शहर के सभी सीवेज उपचार संयंत्रों को पूरी तरह कार्यात्मक बना देगी, जिनमें छह नए सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव नवीन चौधरी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यमुना की सफाई के कार्य का निरीक्षण करने के लिए आए (जो सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के प्रभारी हैं) चौधरी ने कहा कि तीन वर्षों में नदी की सफाई के लिए उच्चतम स्तर पर प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यमुना का पूरा 57 किलोमीटर लंबा हिस्सा साफ किया जाएगा। चौधरी ने कहा कि नदी को साफ करने के लिए तीन-चार चीजों को सुनिश्चित करने की जरूरत है जिनमें कचरा और खरपतवार को हटाना तथा पूरी तरह कार्यात्मक सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) के माध्यम से अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों के प्रवाह को रोकना शामिल है।

जयशंकर ने कतर के अमीर से मुलाकात की, कहा 'प्रधानमंत्री के साथ बातचीत से दोस्ती और मजबूत होगी'

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-सानी से दिल्ली पहुंचने के कुछ घंटों बाद मुलाकात की और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अमीर की मुलाकात से 'दोस्ती के हमारे करीबी रिश्ते और मजबूत होंगे'। आतिथ्य सत्कार का उदाहरण देते हुए मोदी कतर के अमीर की अगवानी करने के लिए हवाई अड्डे पहुंचे। अल-सानी सोमवार शाम को दिल्ली पहुंचे। जयशंकर ने देर शाम कतर के अमीर से मुलाकात की, जो भारत की दो दिवसीय राजकीय दौरे पर यहां पहुंचे हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में राजकीय यात्रा पर आए कतर के अमीर तमीम बिन हम्मद से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। कई क्षेत्रों में हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उनके मार्गदर्शन की सराहना करता हूं। मुझे विश्वास है कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बातचीत से हमारी दोस्ती के करीबी रिश्ते और मजबूत होंगे। केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर कतर के अमीर के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। कतर के अमीर मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और मोदी के साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अपने भाई कतर के अमीर एचएच शेख तमीम बिन हम्मद अल सानी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे गया। भारत में उनके सफल प्रवास की कामना करता हूं और कल हमारी बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कतर के अमीर की यात्रा 'हमारी बढ़ती बहुआयामी सा-झेदारी को और गति प्रदान करेगी'। कतर के अमीर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल होंगे।

महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ ने कॉमेडियन समय रैना को 18 फरवरी को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा

मुंबई : महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ के साइबर एवं सूचना सुरक्षा प्रभाग ने कॉमेडियन समय रैना के आनलाइन बयान दर्ज कराने के अनुरोध को खारिज कर दिया और 18 फरवरी को पेश होने के लिये कहा है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले की जांच एजेंसी कर रही है। इलाहाबादिया ने समय रैना के वेब शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में माता-पिता और सेक्स को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। अधिकारी ने बताया कि अमेरिका में अपने शो के लिए मौजूद समय रैना ने महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ से अनुरोध किया था कि उसका बयान वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दर्ज किया जाए, लेकिन एजेंसी ने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया कि रैना को 18 फरवरी को एजेंसी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने भी रैना को 17 फरवरी से पहले पूछताछ के लिए खार पुलिस थाने में पेश होने के लिए कहा था और रैना ने विदेश में अपने शो के बारे में जानकारी दी थी।

रणवीर इलाहाबादिया को 24 फरवरी को पूछताछ के लिए तलब किया

मुंबई : महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' शो विवाद के संबंध में यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को 24 फरवरी को अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा, ''इससे पहले साइबर अधिकारियों ने इलाहाबादिया को पुलिस के सामने पेश होने के लिए बुलाया था, लेकिन वह नहीं आया। अब पुलिस ने उसे जांच में शामिल होने के लिए 24 फरवरी को फिर से तलब किया है।''

न्यूज ब्रीफ

नकवी ने चार लाख दिरहम का अपना वीआईपी बॉक्स का टिकट पीसीबी कोष के लिये दिया

कराची : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी का मैच दर्शक दीर्घा से देखने का फैसला करते हुए 30 सीट वाले वीआईपी हॉस्पिटेलिटी बॉक्स का चार लाख दिरहम (94 लाख रूपये) का अपना टिकट पीसीबी कोष के लिये बेच दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार नकवी को उनके और परिवार के लिये दुबई में वीआईपी बॉक्स के टिकट की पेशकश की गई थी लेकिन उन्होंने इसे बेचकर मैच आम दीर्घा से देखने का फैसला किया। नकवी ने आईसीसी और अमीरात क्रिकेट बोर्ड को बता दिया है कि वे दर्शकों के साथ बैठकर मैच देखेंगे और अनुभव करेंगे कि वे किस तरह पाकिस्तान की हौसलाअफजाई करते हैं। पीसीबी अध्यक्ष ने कहा कि बोर्ड कराची, लाहौर और रावलपिंडी स्टेडियमों के नवीनीकरण पर इस टूर्नामेंट की गेट मनी और अन्य दीर्घाओं से मिलने वाली रकम में से 18 अरब रूपये खर्च करेगा।

पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने के कारण गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल स्थगित

गुलमर्ग : पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का शनिवार से यहां शुरू होने वाला दूसरा सत्र क्षेत्र में पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने के कारण स्थगित कर दिया गया। इसकी नयी तारीखों का ऐलान मौसम में सुधार होने पर किया जायेगा। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया, 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का जम्मू कश्मीर चरण स्थगित कर दिया गया है।' गुलमर्ग में अल्पाइन स्कीइंग, नोर्डिक स्कीइंग, स्की पर्वतारोहण और स्नोबोर्डिंग स्पर्धायें होनी थी। पहला चरण लेह में 23 से 27 जनवरी के बीच खेला गया जिसमें आइस हॉकी और आइस स्केटिंग स्पर्धायें हुई थी।

आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया

वडोदरा: तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम के तीन-तीन विकेट के बाद कप्तान स्मृति मंधाना और डेनी व्याट हॉज के बीच शतकीय साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर दो मैच में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दिल्ली के 142 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने कप्तान मंधाना की 47 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से 81 रन की पारी और डेनी व्याट हॉज (42 रन, 33 गेंद, सात चौके) के साथ उनकी पहले विकेट की 107 रन की साझेदारी की बदौलत 16.2 ओवर में दो विकेट पर 146 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम इससे पहले रेणुका (23 रन पर तीन विकेट), जॉर्जिया (25 रन पर तीन विकेट), किम गार्थ (19 रन पर दो विकेट) और एकता बिष्ट (35 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने 19.3 ओवर में 141 रन पर ढेर हो गई। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सर्वाधिक 34 रन बनाए जबकि उनके अलावा सिर्फ सारा ब्राइस (23) ही 20 रन के आंकड़े को छू पाईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी को स्मृति और डेनी की जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। स्मृति ने मारिजेन कैप के पहले ही ओवर में दो चौके मारे और फिर मीनू मनि पर भी दो चौके जड़े। डेनी ने भी शिखा पांडे के दो ओवर में चार चौके मारे। स्मृति ने अरुंधति रेड्डी पर पारी का पहला छक्का जड़ा जिससे टीम ने पावर प्ले में बिना विकेट गंवाए 57 रन जोड़े। स्मृति और डेनी ने मैदान पर चारों और शॉट खेले और कई आकर्षक बाउंड्री लगाई। स्मृति ने जेस जोनासेन पर लगातार दो चौके और एक रन के साथ सिर्फ 27 गेंद में अपना सबसे तेज डब्ल्यूपीएल अर्धशतक पूरा किया। डेनी हालांकि 34 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रही जब जेमिमा ने जोनासेन की गेंद पर उनका आसान कैच टपका दिया। स्मृति ने मारिजेन पर छक्का जड़ा जिससे टीम ने 10वें ओवर में रनों का शतक पूरा किया। अरुंधति ने अगले ओवर में डेनी को जेमिमा के हाथों कैच कराके आरसीबी को पहला झटका दिया। स्मृति ने जोनासेन पर भी छक्का जड़ा लेकिन शिखा की गेंद पर पवेलियन लौट गई। इस समय आरसीबी को जीत के लिए नौ रन की दरकार थी और रिचा घोष (नाबाद 11) ने अरुंधति पर छक्का जड़कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरी ही गेंद पर शेफाली वर्मा (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने रेणुका की गेंद पर मिड ऑफ पर स्मृति को आसान कैच थमाया। मेग लेनिंग (17) ने रेणुका पर दो चौके मारे और फिर किम पर भी चौका जड़ा। जेमिमा ने एकता पर पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर वीजे जोशिता पर भी दो चौके और एक छक्का मारा। दिल्ली ने पावर प्ले में एक विकेट पर 55 रन बनाए। जॉर्जिया ने जेमिमा को रिचा घोष के हाथों स्टंप कराया जबकि किम ने लेनिंग को एलिस पैरी के हाथों कैच कराके दिल्ली का स्कोर तीन विकेट पर 62 रन किया। अनाबेल सदरलैंड (19) ने एकता पर छक्का जड़ा लेकिन रेणुका के अगले ओवर में स्मृति को कैच थमा बैठी। एकता ने इसके बाद जेस जोनासेन (01) को मिडविकेट पर कनिका आहुजा के हाथों कैच कराके दिल्ली का स्कोर 12वें ओवर में पांच विकेट पर 87 रन किया। दिल्ली के रनों का शतक 13वें ओवर में पूरा हुआ। एकता ने अगले ओवर में अनुभवी मारिजेन कैप (12) को पवेलियन भेजकर दिल्ली को छठा झटका दिया। सारा ब्राइस (23) ने एकता और कनिका पर चौका जड़े लेकिन जॉर्जिया की गेंद पर विकेटकीपर रिचा को कैच दे बैठीं।

प्रो लीग : स्पेन के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

भुवनेश्वर : भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में मंगलवार को स्पेन के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। पहले मैच में इंग्लैंड को 3-2 से हराने के बाद भारतीय टीम दूसरे मैच में बोनस अंक नहीं बना सकी और निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर रहने के बाद शूटआउट में 1-2 से हार गई। भारत इस समय दो मैचों में चार अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। अब मंगलवार और बुधवार को उसका सामना स्पेन से होगा। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया खासकर पेनल्टी कॉर्नर तब्दीली दर बहुत अच्छी रही। पहले मैच में भारत ने तीन में से दो पेनल्टी कॉर्नर भुनाये। दूसरे मैच में हालांकि भारत उस प्रदर्शन को नहीं दोहरा सका और उसे मिले तीनों पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। भारतीय कप्तान सलीमी टेटे ने कहा, 'स्पेन कठिन टीम है और हमें पता है कि यह चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा। हम इसके लिये तैयार हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन की समीक्षा की है और हमें पता है कि कहां सुधार करना है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 ओलंपिक 2036 की मेजबानी के भारत के लक्ष्य के लिये सही कदम: सीजीएफ सीईओ

नयी दिल्ली : राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ कैटी सेडलेर ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी ओलंपिक 2036 की मेजबानी के भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सही कदम होगा। सेडलेर टाइम्स समूह के ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट के दूसरे दिन की वक्ता थी। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक की मेजबानी अतुल्य उपलब्धि होगी और भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सही कदम होगा।' सीजीएफ और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के बीच राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी की संभावना पर अनौपचारिक बातचीत के बाद उनका बयान आया है। सेडलेर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत निकट भविष्य में ओलंपिक में शीर्ष दस टीमों में होगा। उन्होंने कहा, 'सही नेतृत्व, बुनियादी ढांचा और जुनून के दम पर भारत ओलंपिक में शीर्ष दस देशों में शामिल होने की दहलीज पर है। देश की छवि बनाने में खेलों की भूमिका अहम है और खेल महाशक्ति के रूप में पहचान मिलने से विश्व स्तर पर देश का दबदबा बढता है।' भारत ने अब तक सिर्फ एक बार 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की है।

चैंपियन्स ट्रॉफी: पांच बल्लेबाज जिन पर रहेंगी नजरें

दुबई : चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा ले रही आठ टीम में बहुत ज्यादा नए खिलाड़ी नहीं हैं और इस बात की संभावना बहुत कम है कि कम से कम बल्लेबाजी में मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ियों में कोई नया चेहरा उभर कर सामने आए। हालांकि गेंदबाजी विभाग में कुछ तेज गेंदबाज हो सकते हैं जो अंतर पैदा कर सकते हैं। पीटीआई पांच बल्लेबाजों पर नजर डाल रहा है जो अपनी-अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

1. शुभमन गिल (भारत)

एकदिवसीय प्रारूप में 60 की शानदार औसत और 101 से अधिक के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ सात शतक और 15 अर्धशतक लगाने वाले गिल ने 50 वनडे मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह ऐसा प्रारूप है जिसमें वह विराट कोहली से जिम्मेदारी लेने वाले खिलाड़ी हो सकते हैं। कोहली और कप्तान रोहित शर्मा जैसे दो दिग्गज अब भी गिल का मार्गदर्शन कर रहे हैं और यह टूर्नामेंट गिल को सुपरस्टार से मेगास्टार में तब्दील कर सकता है।

2. ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया)

पिछले कुछ साल ऑस्ट्रेलिया के इस बल्लेबाज के लिए सपने की तरह रहे हैं और आदर्श रूप से वह कभी नहीं चाहेंगे कि यह खत्म हो। उन्होंने पिछले कुछ समय से नॉक आउट मुकाबलों में भारत को काफी परेशान किया है और पाकिस्तान की बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर हेड एक बार फिर गेंदबाजी आक्रमण को तहस-नहस करने के लिए तैयार हैं। भारतीय प्रशंसकों को अब भी 19 नवंबर, 2023 (विश्व कप फाइनल) का दर्द सालता है और हेड में विपक्षी टीमों का दिल दुखाने की क्षमता है।

3. सलमान अली आगा (पाकिस्तान)

सलमान का 45 से अधिक का औसत असाधारण तो नहीं है लेकिन जिन्होंने हाल ही में उन्हें बल्लेबाजी करते देखा है वे इस बात की पुष्टि करेंगे कि लाहौर का यह 31 वर्षीय बल्लेबाज आखिरकार अपनी पहचान बना रहा है। अगर त्रिकोणीय श्रृंखला को ट्रेलर माने तो उनके बल्ले से और भी बड़ी पारियां आने वाली हैं। वह एक क्लीन हिटर हैं और उनके पास तेज गेंदबाजों को खेलने के लिए बहुत समय है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 350 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिस तरह चीजों को नियंत्रित किया वह असाधारण था।

4. डेवोन कॉनवे (न्यूजीलैंड)

कॉनवे का वनडे करियर छोटा है जिसमें उन्होंने केवल 33 मैच खेले हैं लेकिन इतने कम समय में ही उन्होंने दिखा दिया है कि वे अपनी इच्छानुसार गैप खोजने की क्षमता से मैच को अपने पक्ष में कर सकते हैं। वे स्पिनरों के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाज हैं और चाहे पाकिस्तान हो या दुबई, टी20 लीग क्रिकेट या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए एशिया के दौरों ने उन्हें यहां की परिस्थितियों का अच्छा ज्ञान दिया है। अगर कॉनवे चल पड़े तो न्यूजीलैंड का काम आसान हो जाएगा।

5. हेनरिक क्लासेन (दक्षिण अफ्रीका)

चाहे टी20 हो या वनडे जब कोई मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी की बात करता है तो हेनरिक क्लासेन को भूलना बहुत मुश्किल है जो बिना किसी परेशानी के गेंद बाउंड्री के पार पहुंचा सकते हैं। उन्होंने त्रिकोणीय श्रृंखला में एक मैच खेला लेकिन 56 गेंद पर 87 रन बनाए और शीर्ष स्तर के पाकिस्तानी आक्रमण के खिलाफ आसानी से रन बनाए। उन्होंने 58 मुकाबलों में 44 से अधिक के औसत और 117.44 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वह एक और खिलाड़ी है जो उपमहाद्वीपीय पिचों पर आक्रमण करना जानता है। आदिल राशिद और एडम जंपा के खिलाफ क्लासेन की जंग देखने लायक होगी।

अदाणी समूह देशभर में 20 स्कूलों की स्थापना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का योगदान देगा

नयी दिल्ली : अदाणी समूह ने सोमवार को देशभर में कम से कम 20 स्कूलों के निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये का दान देने की घोषणा की। समूह के संस्थापक गौतम अदाणी के छोटे बेटे की शादी के समय समूह ने परमार्थ कार्यों पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की थी। समूह ने पहले अस्पतालों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये और कौशल विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह की परमार्थ इकाई अदाणी फाउंडेशन ने 'देशभर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी के-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी जेम्स एजुकेशन के साथ गठजोड़ किया है।' फाउंडेशन ने बयान में कहा, 'अदाणी परिवार से 2,000 करोड़ रुपये के शुरुआती योगदान के साथ साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी।' इस महीने की शुरुआत में, अदाणी ने अपने छोटे बेटे जीत की शादी के समय सामाजिक कार्यों पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई थी। अदाणी फाउंडेशन फिलहाल 19 राज्यों के 6,769 गांवों में काम करता है।

मुनाफा काटने के लिए विदेशी निवेशक बेच रहे हैं भारतीय शेयर : सीतारमण

मुंबई : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली को लेकर चिंता को दूर करते हुए कहा कि भारत में निवेश करने वालों को अच्छा रिटर्न (प्रतिफल) मिल रहा है और इससे वे मुनाफावसूली कर रहे हैं। सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिल रहा है, जिससे मुनाफावसूली होती है। उन्होंने कहा, 'एफआईआई भी तब बाहर जाते हैं जब वे मुनाफावसूली करने में सक्षम होते हैं। आज भारतीय बाजार में ऐसा माहौल है कि निवेश पर अच्छा रिटर्न भी मिल रहा है और मुनाफावसूली भी हो रही है।' डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने पिछले साल अक्टूबर से 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की कुल पूंजी निकासी इस साल अबतक 99,299 करोड़ रुपये पहुंच गयी है। इससे बाजार में गिरावट आई है और निवेशकों को नुकसान हुआ। वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एफआईआई एक उभरते बाजार से दूसरे बाजार में नहीं जा रहे हैं। वैश्विक अस्थिरता के समय में एफआईआई अपने मूल देश वापस चले जाते हैं जो ज्यादातर अमेरिकी है। यही स्थिति अभी देखने को मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय बाजार मजबूत है और ये बदलाव अस्थायी हो सकते हैं। पांडेय ने कहा कि मांग-आपूर्ति के मुद्दों के अलावा, वृद्धि की संभावनाएं भी निवेशकों के व्यवहार को प्रभावित करती हैं। भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है और हाल ही में घोषित बजट में वृद्धि को गति देने वाले कई कई उपाय हैं। उन्होंने कहा, 'हमने पूर्व में वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया है और आगे भी उनका सामना करते रहेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि भारत इसे संभालने के लिए मजबूत स्थिति में है।'

ऑडी इंडिया ने पेश किया आरएस क्यू8 परफॉर्मेंस एसयूवी का नया संस्करण, कीमत 2.49 करोड़ रुपये

मुंबई : जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता ऑडी ने सोमवार को भारत में अपनी आरएस क्यू8 परफॉर्मेंस एसयूवी का नया संस्करण पेश किया। इसकी कीमत 2.49 करोड़ रुपये है। इस मौके पर ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा कि आरएस क्यू8 मॉडल मुख्य रूप से ऑडी ब्रांड के निर्माण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, 'यह ऑडी द्वारा अबतक बनाई गई सबसे मजबूत एसयूवी है। इसलिए... यह एक विशिष्ट कार है, जो हमें अधिक बिक्री में मदद करेगी।' ढिल्लन ने कहा, 'भारत में हमारे आरएस मॉडल को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इससे हमें अपने कार पोर्टफोलियो का विस्तार जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है...।' उन्होंने यहां पीटीआई-भाषा से कहा कि भारत में लक्जरी कार खंड एक बढ़ते स्टार्टअप की तरह है और यह आकार में तभी अच्छा हो सकता है जब यह पांच प्रतिशत का आंकड़ा पार कर जाए। फिलहाल में देश में कुल कार बिक्री में लक्जरी कारों का हिस्सा एक प्रतिशत है। ढिल्लन ने यह भी कहा कि आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों के कारण पिछले वर्ष मात्रा में गिरावट देखने के बाद कंपनी इस वर्ष बिक्री के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। ढिल्लन ने कहा, 'भारत में लक्जरी कार उद्योग एक स्टार्टअप की तरह है जो अभी भी बढ़ रहा है... मुझे लगता है कि जब हम कुल कार बाजार का लगभग पांच प्रतिशत की सीमा पार कर लेंगे तो लक्जरी कार उद्योग बेहतर स्थिति में होगा और मुझे लगता है कि ऐसा होगा।' उन्होंने कहा कि यह निश्चित नहीं है कि पांच प्रतिशत हिस्सा पहुंचने में कितना समय लगेगा। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि समग्र उद्योग कैसा प्रदर्शन करता है, क्योंकि मांग के मामले में अभी जो कुछ भी उपलब्ध है वह सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि भारत में 2024 में 42 लाख कारों की बिक्री हुई। हमारा अनुमान है कि इस साल भी बिक्री लगभग 43 लाख रहेगी।

सोना सर्वकालिक उच्चस्तर से फिसला, 1,200 रुपये टूटा

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना सोमवार को अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से फिसल गया और 1,200 रुपये के नुकसान के साथ 88,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। स्टॉकिस्ट और खुदरा व्यापारियों की ताजा बिकवाली से सोने के दाम नीचे आए। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,300 रुपये की छलांग के साथ 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से फिसल गया और 1,200 रुपये के नुकसान के साथ 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। शुक्रवार को यह 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ था। सोमवार को चांदी की कीमतों पर भी बिकवाली दबाव रहा। चांदी का भाव 1,800 रुपये की गिरावट के साथ 98,200 प्रति किलोग्राम पर आ गया। चांदी शुक्रवार को एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 58 अंक चढ़ा, आठ दिन से जारी गिरावट थमी

मुंबई : उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार में पिछले आठ कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 58 अंक की तेजी आई। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। कारोबार के अंतिम घंटे में लिवाली से तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,996.86 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 644.45 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,959.50 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, ऐसी रिपोर्ट है कि अमेरिका और भारत शुल्क दर कम करने के लिए व्यापार समझौते की व्यापक रूपरेखा पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही बैठक करेंगे। इससे धातु, औषधि और वित्तीय शेयरों में खरीदारी को समर्थन मिला। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, जोमैटो और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी शामिल हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 4,294.69 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की कुल पूंजी निकासी इस साल अबतक 99,299 करोड़ रुपये पहुंच गयी है। एफपीआई ने इस माह के पहले दो सप्ताह में 21,272 करोड़ रुपये निकाले हैं। अमेरिका के आयात पर शुल्क लगाने के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव के बीच यह पूंजी निकासी की गयी है। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, 'भारी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में अंतिम घंटे में लिवाली से बाजार हल्की बढ़त में रहा।

न्यूज अपडेट

देश का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली : देश का वस्तुओं का निर्यात जनवरी में 2.38 प्रतिशत घटकर 36.43 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। जनवरी, 2024 में यह 37.32 अरब डॉलर था। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। वहीं आयात जनवरी, 2024 के 53.88 अरब डॉलर की तुलना में पिछले महीने 10.28 प्रतिशत बढ़कर 59.42 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन महीने में व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) 22.99 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 10 माह यानी अप्रैल-जनवरी के दौरान निर्यात 1.39 प्रतिशत बढ़कर 358.91 अरब डॉलर और आयात 7.43 प्रतिशत बढ़कर 601.9 अरब डॉलर रहा है।

सोने का आयात जनवरी में 40.79 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली : देश में सोने का आयात जनवरी में 40.79 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर रहा है। मुख्य रूप से घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले जनवरी, 2024 में सोने का आयात 1.9 अरब डॉलर था। संचयी रूप से चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान सोने का आयात 32 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर रहा जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 37.85 अरब डॉलर था। आयात में वृद्धि एक सुरक्षित परिसंपत्ति के रूप में कीमती धातु में निवेशकों के मजबूत भरोसे का भी संकेत देती है। अन्य कारणों में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेश को विविध रूप देने के लिए सोने में निवेश, बैंकों की मांग और सीमा शुल्क में कटौती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल अबतक सोने की कीमत 11 प्रतिशत बढ़कर 88,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। भारत का सोने का आयात 2023-24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर रहा। सोने के आयात का देश के चालू खाता घाटे (सीएडी) पर असर पड़ता है। स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है। इसकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (16 प्रतिशत से अधिक) और दक्षिण अफ्रीका (लगभग 10 प्रतिशत) का स्थान है।

रुपया 17 पैसे टूटकर 86.88 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सोमवार को 17 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.88 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में सुधार से रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है। इसकी प्रमुख वजह है कि विदेशी बैंक डॉलर की खरीद पर उतारू हैं और आयातक डॉलर को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि उन्हें वैश्विक अनिश्चितता के बीच भविष्य में मूल्यह्रास की आशंका है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.70 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसने डॉलर के मुकाबले 86.68 के उच्चस्तर और 86.88 के निचले स्तर को छुआ। अंत में डॉलर के मुकाबले 86.88 पर बंद हुआ, जो अपने पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.71 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, 'घरेलू बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी डॉलर सूचकांक में सुधार से आज भारतीय रुपये में गिरावट आई। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी ने इसकी गिरावट को सीमित किया।'

वर्ष 9, पूर्णांक 4153 अंक 303, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in